दैनिक

बुलन्द मंज़िल

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 113 | संभल, रविवार 05 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

मुख्यमंत्री ने वाराणसी के पांच निपुण विद्यालयों को पुरस्कृत किया

वाराणसी,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ पर बच्चों को मिड-डे मील परोसा। उन्हें स्कूल बैग, पाठ्य पुस्तकों के साथ उपहार व चॉकलेट भी दी। सीएम ने निपुण विद्यालयों व बच्चों को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत मंचस्थ अतिथियों ने ह्यशैक्षिक नवाचार एवं उपलब्धियांह्ल पुस्तिका का विमोचन किया। इस दौरान अभियान से जुड़ी लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सीएम ने परोसा खाना, खिलखिलाए बच्चे शिवपुर के कंपोजिट विद्यालय में ह्यस्कूल चलोह्ल अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षारत बच्चों को मिड-डे मील परोसा। उन्होंने अत्यंत श्रद्धा भाव से बच्चों को भोजन कराया तो बच्चों ने भी खिलखिलाकर सीएम के प्रति आभार प्रकट किया। जब मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि रोज स्कूल आना और मेहनत से पढ़ना, तो बच्चों ने भी सिर

हिलाकर हामी भरी। बच्चों ने मासूमियत से हाथ जोड़कर सीएम को अपना प्रणाम भी निवेदित किया। बच्चों को भोजन परोसने में सीएम के साथ उनके मंत्री व जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे। नए सत्र की पाठ्य पुस्तकों का वितरण मुख्यमंत्री ने नए शैक्षणिक सत्र की पाठ्य पुस्तकों का भी वितरण किया। सीएम योगी के हाथों मंच पर कक्षा-1 के छात्र विकास, छात्रा अंशिका गुप्ता, कक्षा-2 की छात्रा श्रेया सोनकर, कक्षा-3 की छात्रा कजरी, कक्षा-4 की दीपशिखा, कक्षा-5 की रोली सोनकर, कक्षा-6 की श्रेया यादव, कली केसरी, कक्षा-7 की रूचि यादव, कक्षा-8 की साक्षी गुप्ता को स्कूल बैग, पाठ्य पुस्तकें, किट, उपहार व चॉकलेट मिली। इस दौरान बच्चों की सहज-सरल मुस्कान ने सभी का दिल जीत लिया। निपुण विद्यालयों को वितरित किए प्रमाण-पत्र सीएम के हाथों जनपद के पांच निपुण विद्यालयों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राथमिक विद्यालय नयापुर सेवापुरी के प्रधानाचार्य कपिल देव लाल बहादुर, प्राथमिक विद्यालय शगुनहा बड़ागांव की प्रधानाध्यापिका सुष्मिता भारती, प्राथमिक विद्यालय फरीदपुर विकास क्षेत्र चिरईगांव के प्रधानाध्यापक शशिकांत सिंह, कंपोजिट विद्यालय भतसार अराजीलाइन की नीतू यादव, कंपोजिट विद्यालय महमूरगंज की प्रीति त्रिवेदी को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। निपुण विद्यार्थियों को भी मिले प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री ने जनपद के पांच निपुण विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कत्यूर महोत्सव का रंगारंग आगाज, सीएम धामी ने वीडियों संदेश से दीं क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं

देहरादून। बागेश्वर जिले के बैजनाथ के भकुनखोला खेल मैदान में चार दिवसीय कत्यूर महोत्सव शुरू हो गया है। महोत्सव का आगाज नगर में निकाली गई भव्य सांस्कृतिक झांकी से हुआ। सांस्कृतिक मंच से रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से क्षेत्रवासियों को महोत्सव की शुभकामनाएं दी। महोत्सव का शुभारंभ पीएमजीएसवाई अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष शिव सिंह बिष्ट, विधायक पार्वती दास, जिपं अध्यक्ष शोभा आर्या, नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा, ब्लॉक प्रमुख किशन सिंह बोरा ने रिबन काटकर और दीप जलाकर किया। सीएम धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि कत्यूर महोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध विरासत, लोक संस्कृति और सामूहिक एकता का जीवंत प्रतीक है। ऐसे आयोजन हमारी प्राचीन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए अहम कार्य करते हैं। स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का भी सशक्त मंच मिलता है, साथ ही पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है।

बैडमिंटन खिलाड़ियों पर भारी पड़ी विश्वविद्यालय संघ की चूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के छह बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक प्रशासनिक चूक के कारण विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) में हिस्सा लेने से रोक दिया गया था और अब महीनों बाद भी वे अपने भागीदारी प्रमाण पत्रों का इंतजार कर रहे हैं। भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (एआईयू) ने सुधारात्मक कदम के तौर पर उन्हें ये प्रमाण पत्र देने का वादा किया था। जर्मनी में हुए डब्ल्यूयूजी के लिए 12 सदस्यों की भारतीय बैडमिंटन टीम चुनी गई थी, लेकिन मैनेजर की बैठक में सिर्फ छह खिलाड़ी ही प्रवेश कर पाए। बाकी आधे खिलाड़ी मौके पर मौजूद होने के बावजूद प्रतियोगिता से बाहर रह गए। इसके बाद एआईयू ने एक जांच समिति बनाई और अपने संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सेखों को निलंबित कर दिया। छह खिलाड़ियों सतीश कुमार करुणाकरण, सनीत दयानंद, तसनीम मीर, वर्षिनी विश्वनाथ श्री, देविका सिहाग और वैष्णवी खड़केकर ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने मिश्रित टीम स्पर्धा में एक ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता। जिन खिलाड़ियों (अलीशा खान, रोहन कुमार, दर्शन पुजारी, अदिति भट्ट, अविनाश मोहंती और विराज कुवाले) को बाहर कर दिया गया था, उन्हें आधिकारिक रिकॉर्ड से बाहर रखा गया।

कुएं में गिरी कार, एक ही परिवार के नौ लोगों की दर्दनाक मौत

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि ये सभी लोग इलाके में एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार कार्यक्रम स्थल के पास ही स्थित एक कुएं में गिर गई। स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे तथा आधी रात के आसपास दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार एवं उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि ये सभी लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है।

त्रिपुरा के धर्मनगर उपचुनाव में 46,143 मतदाता नौ अप्रैल को करेंगे मतदान

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के धर्मनगर उपचुनाव में कुल 46,143 मतदाता नौ अप्रैल को छह उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनाव आयोग के अनुसार इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 46,143 मतदाता हैं, जिनमें 23,763 महिलाएं शामिल हैं। बूथ प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए आयोग ने 42 अलग-अलग जगहों पर 55 मतदान केंद्र स्थापित किये हैं। जिलाधिकारी चांदनी चंद्रन ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया की निगरानी को बेहतर बनाने के लिए कम से कम आठ पुलिस क्षेत्राधिकारियों और उतने ही नागरिक क्षेत्राधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इनमें से प्रत्येक अधिकारी के पास सात-आठ मतदान केंद्रों के लिए जिम्मेदारी होगी।

राहुल के 'रिमोट कंट्रोल' वाली बात पर सीएम हिमंत का पलटवार

यूसीसी का असर आदिवासियों पर नहीं:हिमंत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विधानसभा चुनाव का पारा पूरी तरह चढ़ चुका है। 9 अप्रैल को होने वाले

मतदान से पहले नेताओं के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है। इसी बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। सीएम सरमा ने कहा कि जो कोई भी यह सोचता है कि कांग्रेस असम में सरकार बनाने जा रही है, वह पागल है। दरअसल, राहुल गांधी ने असम के जोरहाट में एक चुनावी रैली के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कंट्रोल करते हैं, वहीं, प्रधानमंत्री मोदी असम के मुख्यमंत्री को 'रिमोट कंट्रोल' से चलाते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया था कि पीएम मोदी के पास हिमंत बिस्वा सरमा के कथित भ्रष्टाचार और अपराधों की पूरी फाइल है और इसी डर की वजह से सरमा उनके इशारों पर काम करते हैं। सीएम सरमा ने दिया करारा जवाब राहुल गांधी के इन आरोपों पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अब पलटवार किया है। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों को सिरे से खारिज कर दिया। सरमा ने कहा कि राहुल गांधी की बातों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता और जो लोग आज भी असम में कांग्रेस की जीत के सपने देख रहे हैं, उनकी दिमागी हालत ठीक नहीं है। यूसीसी का आदिवासियों पर नहीं होगा असर इस सियासी बयानबाजी के बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर एक बहुत बड़ा स्पष्टीकरण भी दिया।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले पीएम

खाड़ी देशों में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध, दुश्मनी चाहती है कांग्रेस

तिरुवल्ला (केरल) (एजेंसी)। केरल में चुनावी बिगुल बज चुका है और इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सूबे के तिरुवल्ला में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस, लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) पर जमकर प्रहार किए। पीएम ने कांग्रेस पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ चुनावी फायदे और मुझे गाली देने के लिए एक करोड़ प्रवासियों की जिंदगी दांव पर लगाने को तैयार है। 'कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें' प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा बेहद खतरनाक है। वे चाहते हैं कि पश्चिम एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें या कोई ऐसा बयान दे दें, जिससे खाड़ी देशों में रह रहे हमारे भारतीय भाई-बहनों पर बड़ी मुसीबत आ जाए। पीएम मोदी ने सीधे तौर पर कहा कि कांग्रेस जानबूझकर खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है, जिससे देश में डर का माहौल बने और उन्हें केंद्र सरकार को कोसने का मौका मिल सके। प्रधानमंत्री ने विरोधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस और एलडीएफ-यूडीएफ के लोगों से साफ कह देना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह है और चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के जो लाखों लोग वहां काम कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और मैं इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। 'सबरीमाला में हुए पाप का कांग्रेस और लेफ्ट से कनेक्शन' प्रधानमंत्री ने केरल की संस्कृति पर हो रहे हमलों को लेकर भी विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि लेफ्ट और कांग्रेस के भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का सीधा निशाना केरल की महान संस्कृति और आस्था पर है। उन्होंने कहा कि पहले इन लोगों ने सबरीमाला तीर्थ को बदनाम करने की साजिश रची और अब यह इनकी लूट का अड्डा बन गया है।

> कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और उसे मोदी को गाली देने का मौका मिल जाए। मेरे लिए केरल के लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ा काम है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं।
>
> *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केरल की चुनावी रैली में भाषण*

ममता बनर्जी का बड़ा आरोप, बोलीं- गुनहगारों को छोड़ बेकसूरों को निशाना बना रही एनआईए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा जिले के मोथाबाड़ी में हुई हिंसा को लेकर केंद्र सरकार और एनआईए पर निशाना साधा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि मोथाबाड़ी में न्यायिक अधिकारियों का घेराव करने वाले असली गुनहगार तो भाग निकले हैं, लेकिन एनआईए अब बेकसूर स्थानीय लोगों को पकड़कर उन्हें परेशान कर रही है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि दो सांप्रदायिक पार्टियों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और वहां से फरार हो गईं। अब एनआईए जांच के नाम पर हमारे स्थानीय युवाओं को

प्रताड़ित कर रही है। इस एजेंसी ने जांच के बहाने करीब 50 मासूम लोगों को उठा लिया है। दावा किया जा रहा है कि ममता बनर्जी का इशारा कथित तौर पर आईएसएफ और एआईएमआईएम की तरफ था। वोटर लिस्ट से नाम हटने पर जताई हैरानी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली में मौजूद भीड़ से यह भी पूछा कि कितने लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं? इसके बाद दीदी ने मंच पर मौजूद अपनी पार्टी के स्थानीय नेताओं को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब हमारी पार्टी को यहां चुनावी रैलियां और बैठकें करने की कोई जरूरत नहीं है। मेरी पहली प्राथमिकता इन लोगों की मदद करना है। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाए गए हैं, उनके नाम ट्रिब्यूनल में आवेदन करके वापस जुड़वाएं। ममता बनर्जी ने जनता से अपील की कि वे सीधे न्यायिक अधिकारियों के पास जाने के बजाय ट्रिब्यूनल के जरिए कानूनी रास्ता अपनाएं। भाजपा पर लगाया माहौल बिगाड़ने का आरोप इतना ही नहीं, सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि आप किसी भी तरह के उकसावे में न आएं। भाजपा चाहती है कि यहां हिंसा भड़के, जिससे वह केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके हमारे लोगों को उठा सके, जैसा कि उन्होंने मोथाबाड़ी में किया है।

शशि थरूर ने हमले को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, बोले- प्रचार नहीं रुकेगा; संदेश जनता तक पहुंचेगा

कोच्चि (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने काफिले पर रात हुए हमले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा

कि यह ऐसा एकल घटना है जिसे उन्होंने पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनावी प्रचार अभियान बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा। थरूर ने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और कभी नहीं होनी चाहिए थी। मैं पिछले 15-16 दिन से यात्रा कर रहा हूं और यह सिर्फ एक ही घटना है। हमने इसे पीछे छोड़ दिया है और आगे बढ़ रहे हैं। प्रचार अभियान के चार दिन और बचे हैं, हम अपनी रणनीति नहीं बदलेंगे। हम वहां यात्रा करेंगे, जहां जाना है और जनता तक अपना संदेश पहुंचाएंगे। सांसद ने अपने सुरक्षा कर्मी की भी तारीफ की और कहा कि उनके गनमैन ने चोटें झेली, जो केरल पुलिस द्वारा नियुक्त थे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी। हमारे लिए 100 सीटें आदर्श होंगी चुनावी स्थिति पर बात करते हुए थरूर ने कहा हमारे लिए 100 सीटें आदर्श होंगी, लेकिन जब तक हमारे पास बहुमत है, हम राज्य के भविष्य में बदलाव ला सकते हैं। हमें एक सभ्य बहुमत चाहिए। विपक्ष में एक ताकत है जो हमारे प्रयासों को रोक सकती है। हम सार्थक बदलाव लाना चाहते हैं, इसलिए हम मतदाताओं से अच्छे बहुमत की उम्मीद कर रहे हैं। जानिए पूरा मामला पुलिस के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे वांडूर के तिरुवाली के पास चेल्लीथोडे इलाके में हुई।

कानून बदलने से किसी संस्था को नुकसान नहीं, :रिजिजू

चेन्नई (एजेंसी)। केंद्र सरकार के प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन

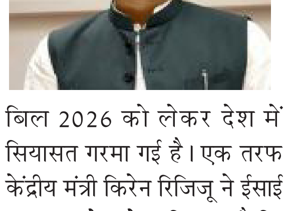

बिल 2026 को लेकर देश में सियासत गरमा गई है। एक तरफ केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ईसाई समुदाय को भरोसा दिलाया है कि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं होगा, वहीं विपक्षी दलों ने इसे अल्पसंख्यकों, खासकर ईसाई समुदाय को निशाना बनाने वाला कदम बताया है। इस मुद्दे ने चुनावी माहौल में नई बहस को जन्म दे दिया है। किरेन रिजिजू ने केरल में चर्च नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि यह बिल केवल उन संगठनों के खिलाफ है जो अवैध तरीके से विदेशी फंड का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे और ईमानदार एनजीओ तथा चर्च से जुड़े संस्थानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल बिल को रोक दिया गया है और इस पर आगे चर्चा की जाएगी। क्या [illegible] बिल से ईसाई संस्थाओं को खतरा है? विपक्ष ने इस बिल को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। डीएमके सांसद पी विल्सन ने आरोप लगाया कि यह बिल ईसाई संस्थाओं और मिशनरियों को निशाना बनाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि ईस्टर जैसे समय पर इसे लाना समुदाय में डर पैदा करने की कोशिश है।

पंकज चौधरी ने महाराजगंज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान का शुभारम्भ किया

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को महाराजगंज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति है और यही कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, सेवा भावना तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व विकास का माध्यम है। पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा का संगठन सामान्य राजनीतिक दलों की तरह केवल चुनाव आधारित संरचना नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र प्रथम, संगठन

सर्वोपरि और अंत्योदय के सिद्धांतों पर चलने वाला वैचारिक परिवार है। उन्होंने कहा कि पार्टी की शक्ति बूथ स्तर तक समर्पित भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ता हैं। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक नींव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुषों ने रखी। डॉ. यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए अपना जीवन समर्पित किया। वहीं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय का ऐसा दर्शन दिया, जिसने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की पूरी कार्यशैली इसी विचार पर आधारित है कि सरकार की योजनाओं और विकास का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक की यात्रा संघर्ष, समर्पण, तप और राष्ट्रसेवा की यात्रा रही है। पार्टी ने अपने स्थापना काल से ही राष्ट्रहित, सुशासन, सांस्कृतिक अस्मिता, सामाजिक समरसता और गरीब कल्याण को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यही विचारधारा विकास, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और गरीब कल्याण के रूप में साकार हो रही है। पंकज चौधरी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब, वंचित, किसान, युवा और महिलाओं तक विकास की किरण पहुंचाने का काम किया है।

CMYK

पश्चिम बंगाल की अराजकता का अब जनता देगी जवाब

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर जिस तरह की अव्यवस्था, अनुचित राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रशासनिक शिथिलता लगातार सामने आ रही है, उसने राज्य सरकार की नीयत और क्षमता दोनों पर बेहद गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट, कोलकाता हाईकोर्ट और चुनाव आयोग बार-बार पश्चिम बंगाल सरकार को डांट-फटकार लगा रहे हैं। राज्य सरकार को निर्देश दे रहे हैं कि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी हो। लेकिन ममता बनर्जी और उनकी सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। अदालत और संवैधानिक संस्थाओं के आदेशों को न मानना सरकार की आदत बनती जा रही है। न्यायिक अधिकारियों की तैनाती से लेकर अपीलीय ट्रिब्यूनल बनाने तक हर स्तर पर अदालतों को हस्तक्षेप करना पड़ा, क्योंकि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर भरोसा लगातार कमजोर होता गया। लेकिन विधानसभा चुनावों में हार को लेकर डरी ममता सरकार की कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 चुनाव पर्यवेक्षकों को बंधक बनाए जाने की घटना पर सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें नौ घंटे भूखे बंधक बनाकर रखा गया। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। इसका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। दरअसल, हार की हताशा में पश्चिम बंगाल में स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि अदालत को 'कानून-व्यवस्था का पूर्ण पतन' जैसी कठोर टिप्पणी करनी पड़ी। यह केवल एसआईआर का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह सवाल बन गया है कि क्या पश्चिम बंगाल सरकार संवैधानिक संस्थाओं के आदेशों का पालन करने के लिए तैयार भी है या नहीं। नाम कटने, फर्जी आपत्तियों, तकनीकी गड़बड़ियों, न्यायिक अधिकारियों को घेरने और प्रशासनिक अराजकता जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि राज्य सरकार संवैधानिक संस्थाओं की चेतावनियों को गंभीरता से लेने को तैयार नहीं है। जब संवैधानिक संस्थाओं के निर्देशों की लगातार अनदेखी होती है, तब यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत बन जाता है। ममता बनर्जी और उनकी सरकार हर बार राजनीतिक साजिश और विक्टिम कार्ड का सहारा लेकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती दिखती हैं, जबकि सच्चाई यह है कि संवैधानिक संस्थाओं की अवमानना धीरे-धीरे उनकी सरकार की कार्यशैली का स्थायी हिस्सा बनती जा रही है। पश्चिम बंगाल में अराजकता को लेकर सर्वोच्च अदालत में सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ कार्यालय पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में कथित रूप से नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस का घेराव कर लिया। सभी 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बाहर निकलने नहीं दिया। प्रदर्शनकारी नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन करते रहे। कई घंटों तक चले हंगामे के बाद प्रदर्शनकारी जब नहीं हटे तो पुलिस की मदद लेनी पड़ी। पुलिस सुरक्षा में अधिकारियों को बाहर ले जाया गया। इस दौरान भी रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की गई। बहरहाल चुनाव से पहले ही पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भाजपा की बढ़ती ताकत को लेकर नए-नए पैतरें रच रही है लेकिन उन्हें मालूम होना चाहिए भाजपा अब दो सांसदों वाली पार्टी नहीं रह गई है। भाजपा का परचम अब चारों ओर दिखाई दे रहा है। पश्चिम बंगाल की जनता भी टीएमसी की गुंडागर्दी को देख रही है। पश्चिम बंगाल की जनता पिछले कई सालों से यह देख रही है और सह भी रही है। अब समय जनता का है और निश्चित ही वह इस चुनाव में इसका जवाब भी देगी।

क्या नाटो टूट रहा, वैश्विक राजनीति के लिए इसके परिणाम?

देशांतर

प्रो. अंशु जोशी

इस सप्ताह, डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के बारे में नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाईजेशन (नाटो) सदस्य राष्ट्रों के बयानों ने ये स्पष्ट कर दिया है कि नाटो में दरारें अब साफ दिखाई देती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष ने अमेरिका और नाटो साझेदारों के बीच एक महत्वपूर्ण विभाजन को उजागर किया है, जिन्होंने मुख्य रूप से अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य अभियानों और समुद्री पहलों में भाग लेने से साफ इनकार कर दिया है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति इस सैन्य गठबंधन को उनका साथ देने के लिए बार-बार कह रहे हैं, जिसे कभी अमेरिका ने ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तत्कालीन सोवियत संघ के विरुद्ध खड़ा किया था। सोवियत संघ ने इसके जवाब में वॉरसॉ पैक्ट बनाया जो शीत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वतः समाप्त हो गया परन्तु नाटो तेजी से और विस्तार लेता रहा। लेकिन अब इसमें दरारें दिखती हैं और दिख रहे विभाजन से एक अधिक स्वतंत्र यूरोपीय सुरक्षा फ्रेमवर्क के बनने, पश्चिमी गठबंधनों में व्यवधान पैदा होने, और यूरो-अटलांटिक क्षेत्र तथा व्यापक पश्चिम एशियाई संदर्भ दोनों में उभरते भू-राजनीतिक गठबंधनों के लिए नए अवसर उपजने की संभावनाएं दिखती हैं।

नाटो के भीतर स्पष्ट दरारें-कई महत्वपूर्ण नाटो यूरोपीय सहयोगियों ने ईरान अभियान से संबंधित अमेरिकी अनुरोधों को ठुकरा दिया है। स्पेन ने संघर्ष में लगे अमेरिकी सैन्य विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया है, और इटली ने सिसिली के एक महत्वपूर्ण अड्डे पर उतरने के अधिकार से इनकार कर दिया है, जबकि फ्रांस ने कथित तौर पर ईरान के खिलाफ इस्तेमाल के लिए इजराइल भेजी जा रही अमेरिकी हथियार उड़ानों में बाधा डाली है। ट्रम्प की लगातार अपीलों के बावजूद, कई नाटो देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में सहायता के लिए नौसैनिक संपत्तियों को तैनात करने के अमेरिकी सुझावों को भी खारिज कर दिया है, जिससे अमेरिका को यह असंतोष व्यक्त करना पड़ा कि उसके अधिकांश सहयोगी इस अभियान में 'भाग नहीं लेना चाहते '।

वैश्विक राजनीति के लिए सन्देश-सबसे पहले तो यह विभाजन 'पश्चिम' के निर्विवाद नेता के रूप में अमेरिका की स्थिति को कमजोर करता है। जब अमेरिका पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण सैन्य संघर्ष शुरू करता है और उसके निकटतम नाटो सहयोगी लड़ाई में शामिल होने से स्पष्ट रूप से बचते हैं, तो यह प्रतिद्वंद्वियों और ग्लोबल साउथ दोनों को यह संदेश देता है कि अमेरिका को अब पश्चिम से स्वचालित गठजोड़ नहीं मिलता है। यह यूरोप में रूस के खिलाफ प्रयासों और हिंद-प्रशांत में प्रतिक्रियाओं जैसे अन्य क्षेत्रों में अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधनों की विश्वसनीयता को कम करता है।

दूसरे, यह संकट का संकेत देता है। फ्रांस, इटली और स्पेन की बिना शर्त समर्थन देने की अनिच्छा, साथ ही जर्मनी की अनिश्चितता और यूरोपीय संघ के भीतर विभाजन, पहले से ही एक अधिक मजबूत यूरोपीय संघ-केंद्रित रक्षा क्षमता की मांग को बढ़ावा दे रहे हैं जो अमेरिकी हस्तक्षेप या अमेरिकी नीति में अचानक बदलाव से स्वतंत्र रूप से क्षेत्रीय संकटों से निपट सके। साथ ही, ईरान पर एक एकजुट रुख प्रस्तुत करने के लिए यूरोप का संघर्ष एक स्वायत्त इकाई स्थापित करने में आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करता है।

तीसरा, यह घटना अन्य महत्वपूर्ण शक्तियों के लिए अवसर पैदा करती है। चीन और रूस ट्रांसअटलांटिक मतभेदों का फायदा उठाकर खुद को मध्य पूर्व के देशों और ग्लोबल साउथ के कुछ क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक सुरक्षा और ऊर्जा सहयोगी के रूप में स्थापित कर सकते हैं। यदि नाटो विभाजित दिखाई देता है, तो ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और विभिन्न क्षेत्रीय गठबंधन अपेक्षाकृत अधिक शक्तिशाली हो सकते हैं।

संभावित नई संरचनाएं-इस क्षण से कई नई या रचनाएं बंटी हुई दिख सकती हैं। एक संभावित रचना एक अधिक स्पष्ट रूप से दो चेहरों वाली पश्चिमी व्यवस्था हो सकती है जिसमें अमेरिका के नेतृत्व में एक अधिक लचीला नेटवर्क हो और साथ ही एक यूरोपीय सुरक्षा समुदाय जो कूटनीति को प्राथमिकता देता है और अधिक कानूनी रूप से प्रतिबंधित है।

दूसरी संभावना क्षेत्रीय समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा गठबंधनों का गठन है जो नाटो से स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। होर्मुज के संबंध में अमेरिका की अधीरता और यूरोपीय सतर्कता को देखते हुए, खाड़ी के देश, भारत और जापान जैसे एशियाई आयातकों के साथ, और संभवतः तुर्की जैसी मध्यम शक्तियां, जहाजों के मार्गों की सुरक्षा के लिए अपने स्वयं के ढांचे की खोज कर सकती हैं, जिसमें अमेरिका और कुछ यूरोपीय नौसैनिक दल नेतृत्व की भूमिका के बजाय सहायक भूमिकाएं निभाएंगे। इस तरह की त्रिपक्षीय व्यवस्थाएं उसके पारंपरिक क्षेत्र के बाहर अभियानों में नाटो की केंद्रीय भूमिका को और भी कम कर देंगी।

अंत में, यह गठबंधन स्वयं एक व्यापक राजनीतिक संधि में बदल सकता है, या यह विभिन्न दायित्वों के साथ विभाजित हो सकता है। भले ही एक औपचारिक विभाजन टल जाए, ईरान युद्ध ने पहले ही दिखा दिया है कि भविष्य में अमेरिकी हस्तक्षेपों को काफी अधिक यूरोपीय जांच और भागीदारी का सामना करना पड़ेगा, जिससे यह दृष्टि निश्चित रूप से हमेशा के लिए बदल जाएगी कि अमेरिका पश्चिम का चेहरा या सर्वशक्तिमान देश है।

(लेखिका जेएनयू में प्राध्यापक हैं)

न्यायपालिका पर हमला

क्या अब 'मजहबी भीड़' चलाएगी पश्चिम बंगाल?

विप्लव विकास

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का मोथाबाड़ी क्षेत्र 1 अप्रैल को उस भयानक सच्चाई का गवाह बना जिसे 'सेकुलर' राजनीति का चश्मा पहनने वाले अक्सर अनदेखा कर देते हैं। न्यायपालिका के सात अधिकारियों को, जिनमें महिला अधिकारी भी शामिल थीं, 9 घंटों तक उन्मादी भीड़ के बीच बंधक बने रहना पड़ा। यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं है, बल्कि यह उस भीड़ तंत्र का भारतीय संवैधानिक प्रक्रिया और न्याय व्यवस्था पर आक्रमण था जिसने पश्चिम बंगाल में कानून के शासन की जगह भीड़ के शासन की सच्चाई सबके सामने ला दिया है। आज समय आ गया है कि इस मुद्दे पर बिना किसी लाग-लपेट के बात किया जाए, क्योंकि अब पानी सिर के ऊपर से गुजर चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम की जड़ में वह 'अदृश्य जनसांख्यिकीय युद्ध' है, जिसे पिछले कुछ दशकों से सुनियोजित तरीके से पश्चिम बंगाल की सीमावर्ती जिलों में लड़ा जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया के दौरान जब लाखों संदिग्ध नामों को हटाया गया, तो अचानक सड़कों पर उतरा यह आक्रोश स्वतःस्फूर्त नहीं था। यह उस वोट-बैंक की छटपटाहट थी जिसे पहले वामपंथियों तथा अब तृणमूल कांग्रेस ने अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए ढाल बनाया है। जब 'घुसपैठियों' और 'संदिग्ध नागरिकों' के हाथ से लोकतंत्र को हाईजैक करने का हथियार छीना जाने लगा, तो उन्होंने लोकतंत्र के रक्षक न्यायिक अधिकारियों पर ही हमला बोल दिया। यह सीधे तौर पर भारतीय गणराज्य की संप्रभुता को चुनौती है।

ममता बनर्जी की सरकार और उनके प्रशासन की भूमिका यहां संदेहास्पद ही नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से एक पक्षीय दिखाई देती है। टीएमसी का राजनैतिक संरक्षण इन तत्वों को यह एहसास दिलाता है कि वे कानून से ऊपर हैं। जब मुख्यमंत्री स्वयं ऐसे संवेदनशील समय पर संवैधानिक संस्थाओं जैसे चुनाव आयोग पर हमलावर होती हैं, तो जमीन पर बैठे दंगाइयों को यह स्पष्ट संदेश जाता है कि राज्य सत्ता उनके पीछे खड़ी है। यह 'मौन समर्थन' और प्रत्यक्ष उकसावा ही है जिसने मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों को ऐसे टापुओं में तब्दील कर दिया है जहां भारत का संविधान नहीं, बल्कि मजहबी और राजनीतिक गुंडागर्दी का राज चलता है।

यहां सबसे बड़ा प्रश्न पश्चिम बंगाल के आम हिंदू मतदाता के विश्वास का है। 2021 के चुनाव के बाद जो वीभत्स रक्तपात हुआ, जिस तरह से हजारों हिंदू परिवारों को पलायन के लिए मजबूर किया गया और माताओं-बहनों की मर्यादा को तार-तार किया गया, उसकी टीस आज भी बाकी है। मोथाबाड़ी की घटना ने उस पुराने घाव को फिर से हरा कर दिया है। एक आम हिंदू मतदाता आज स्वयं से पूछ रहा है 'अगर प्रशासन सात न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षा नहीं दे सकती, तो क्या वह मुझे मेरे घर से बूथ तक जाने की सुरक्षा दे पाएगी? क्या मतदान के बाद इस जिहादी भीड़ से हमें बचाने हेतु ये शासन इच्छुक हैं?' यह डर ही वह हथियार है जिसका उपयोग तृणमूल और उसका 'खास' वोट बैंक करना चाहता है ताकि बहुसंख्यक समाज भयवश घरों में दुबका रहे और 'डेमोग्राफिक इंजीनियरिंग' और 'सांइटिफिक रिगिंग' के माध्यम से सत्ता पर कब्जा बरकरार रहे।

अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था को लोह-हस्त से नियंत्रित किया जाए। चुनाव आयोग, प्रशासन और केंद्र सरकार को यह समझना होगा कि पश्चिम बंगाल में अब 'सॉफ्ट पावर' या केवल शांति की अपीलों से काम नहीं चलने वाला। यहां 'आपरेशन ब्लैक फारेस्ट' जैसी प्रशासनिक दृढ़ता की आवश्यकता है। संदेश बिलकुल साफ होना चाहिए, जो हाथ कानून को चुनौती देंगे, उन्हें कानून की पूरी ताकत से कुचल दिया जाएगा। मोथाबाड़ी के गुनहगारों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो अन्यान्य असामाजिक तत्वों के लिए नजीर बने। जो भी दबंग, गुंडे या सुपारी लेकर जन-मन में भय का वातावरण बनाने, भयमुक्त वातावरण में मतदान प्रक्रिया पूर्ण होने में और मतगणना के पश्चात हत्या और लूट करने में सक्षम है और जिनका ऐसा रिकार्ड रहा है उन्हें पांच मई तक थाने में बंद केंद्रीय बल की निगरानी में रखना चाहिए।

और पश्चिम बंगाल के हिंदू समाज को भी यह समझना होगा कि यह लड़ाई अब केवल बिजली, पानी या सड़क की नहीं है। यह लड़ाई हमारे अस्तित्व, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की है। शेष भारत के लोगों को भी यह स्पष्ट होना चाहिए कि पश्चिम बंगाल पूरे भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों और आतंकियों के आवागमन का सुरक्षित द्वार बन गया है। इसलिए यहां की ममता सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के काम को विलंबित करती रहती है।

मोथाबाड़ी की घटना यह चीख-चीख कर कह रही है कि यदि आज हिंदू समाज संगठित होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने बाहर नहीं निकला, तो कल शायद उनके पास अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार ही न बचे। पश्चिम बंगाल के जो भी मतदाता राज्य से बाहर हैं उन्हें अपने घर लौट कर आना चाहिए। अपना मतदान अपने मतदान केंद्र पर अवश्य करना चाहिए। यह पश्चिम बंगाल के हिन्दुओं के अस्तित्व की लड़ाई का चुनाव है।

प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि राज्य के हर संवेदनशील बूथ पर केंद्रीय बलों की इतनी भारी तैनाती हो कि उपद्रवी घर से बाहर निकलने की हिम्मत न कर सकें। निर्वाचन आयोग को यह स्पष्ट करना होगा कि वह किसी भी दबाव या भ्रम में नहीं आएगा और मतदाता सूची से हर एक अवैध नाम को हटाकर ही दम लेगा। यह केवल 'शुद्धिकरण' नहीं, बल्कि बंगाल के लोकतंत्र का 'सांस्कृतिक पुनरुत्थान' है। यदि इस चुनाव के बाद भी राज्य की सत्ता 'तुष्टिकरण' के मोहपाश में बंधी रही और जनसांख्यिकीय आक्रमणकारियों को राजनैतिक सुरक्षा कवच प्रदान करती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब पश्चिम बंगाल के हिंदुओं को अपने ही आंगन में शरणार्थी बनकर रहना पड़ेगा। अब 'प्रतीक्षा' का समय समाप्त हो चुका है; अब 'परिवर्तन हेतु पराक्रम' का समय है। उन ताकतों पर लोकतांत्रिक प्रणाली से प्रहार करने का समय है जो भारत की अखंडता और पश्चिम बंगाल की अस्मिता को चुनौती दे रही हैं। शासन को 'लोह-हस्त' अपनाकर यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र की जड़ें किसी भीड़ की सनक से कहीं अधिक गहरी हैं। पश्चिम बंगाल के हिंदू मानस को भी अब भय की बेड़ियां तोड़कर, 2021 के जख्मों को अपनी शक्ति बनाकर बूथ तक पहुंचना होगा। याद रखिए, आपका एक वोट केवल एक विधायक नहीं चुनेगा, बल्कि यह तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां अपनी संस्कृति के साथ इस माटी पर जीवित रह पाएंगी या नहीं। अब और नहीं! अपराधियों को दंड मिले और न्याय की विजय हो, तभी बंगाल का वास्तविक 'अमल धवल' स्वरूप पुनः निखर पाएगा।

(लेखक कोलकाता निवासी सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जयंती आज

एक भारतीय आत्मा का देश राग और उनकी कालजयी कविता

विनय उपाध्याय

आज चार अप्रैल है। काल चक्र की गति में यह दिन अनेक संदर्भों के साथ जुड़ता है। हिंदी का रंगपटल भी आज सौभाग्य से सुवासित है। यह मुहूर्त 'एक भारतीय आत्मा' के प्राकट्य की महा वेला भी है। आखर जगत ने इस अवतार को माखनलाल चतुर्वेदी के नाम से जाना।

प्रसंगवश उनकी उस कविता का उल्लेख, जिसका राग आज भी अनेक अधरों पर छलक उठता है। पुष्प की अभिलाषा... छः पंक्तियों के छंद में बंधी यह कविता एक बार फिर सुर्खियों आई। आजादी की पचहत्तरवीं पायदान पर अमृत पर्व के निमित्त सौ से भी अधिक साल पुरानी इस रचना को याद करना प्रासंगिक भी था। स्वाधीनता के संग्रामी अतीत की स्मृतियों के कपाट खुलते हैं तो वतन परस्ती के नाम कविता की तान पूरे स्वाभिमान से गुंजायमान हो उठती है। इन कविताओं को सिरजने वाले शब्द शिल्पियों के प्रति श्रद्धा से सिर झुकाने को मन करता है। कलम के इन सिपाहियों ने साबित किया कि अपने हक़ की लड़ाई बारूद उगलने वाले शस्त्रों से नहीं, मन को बेधने वाले शब्द-अस्त्र से भी लड़ी जा सकती है। माखनलाल चतुर्वेदी की यह कविता समय की अछोर सीमाओं तक देश राग का सुरीला आंचल पसारती है।

तकनीकी संजाल के इस दौर में जब अभिव्यक्ति की आजादी के मन माने मंच पर कविता भी उफान पर है, तब स्मृति में ठहरी किसी कविता के संदर्भ मानीखेज हो जाते हैं। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने 1922 में इसे लिखा था। गुलामी के उन दिनों फिरंगियों के खिलाफ देश को लामबंद करने और उदात्त राष्ट्रीय मूल्यों का जज्बा जगाने माखनलालजी की कविता अग्नि शिखा की तरह काम कर रही थी। वे बिलासपुर कारावास में कैद कर दिए गए थे लेकिन कविता का अस्त्र उनके पास था। उन्हीं दिनों उनके मन के गोमुख से मंत्र की तरह इस कविता की रसधारा बही। 'प्रताप' के संपादक गणेशशंकर विद्यार्थी ने अपने अखबार के मुखपृष्ठ पर इस कविता को प्रकाशित किया। विषय, भाव और शिल्प में सुगठित इस कविता ने भारत की आत्मा पर कुछ ऐसा असर किया कि किसी वैदिक ऋचा की तरह वह कंठ और स्मृति में ठहर गई। दरअसल यह कविता एक फूल को प्रतीक बनाकर रची गई राष्ट्रभक्ति की रंगोमहक का वह सुन्दर ताना-बाना है जिसमें उत्सर्ग का अहोभाव है। कविता में पुष्प की अभिलाषा जिस जगह जीवन का मोक्ष तलाशती है उसे फिर से बांच लेना ज़रूरी लगता है- 'मुझे तोड़ लेना वनमाली/उस पथ पर तुम देना फेंक/मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जाएं वीर अनेक'। गौर करने की बात यह कि इस पूरी कविता में किसी भी देश का उल्लेख नहीं है। यह सरहदों तक

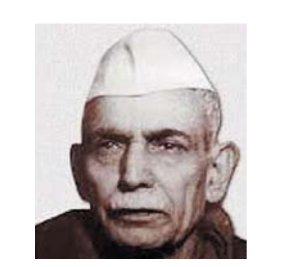

फैली भूमि के लिए फर्ज अदायगी का पवित्र संदेश है। भारतीय सांस्कृतिक संदर्भों में फूल पूजा-प्रार्थना, प्रेम, निवेदन, श्रृंगार और आरोग्य जैसे अनेक प्रयोजनों से जुड़ता है लेकिन माखनलालजी की कविता में खिलखिलाता पुष्प जीवन का प्रतीक है। वनमाली से उसकी गुहार उस पथ पर बिखेर दिए जाने की है जहां से मादरे वतन के बांवरे वीरों का काफिला गुजर रहा है। बहरहाल अपने अर्थ और आशय में समय के होने तक वजूद में बने रहने की ताकत से भरी इस कविता का पुनर्पाठ इसलिए भी मौजूं है कि भारत आजादी का अमृत उत्सव मना रहा है। बिलासपुर जेल का वह कमरा जहां दादा ने इस कविता को लिखा था, करीब तीन दशक पहले स्मारक घोषित किया गया था। जेल परिसर में एक स्तंभ पर इस कविता का उल्लेख भी है। अविभाजित मध्यप्रदेश में तब पंडित श्यामाचरण शुक्ल मुख्यमंत्री थे। उन्हीं की पहल पर यह घोषणा हुई थी। आज यह स्मारक किस गति में है, यह जिज्ञासा एक बार फिर साहित्यकारों के मन में जागी है। अलबत्ता माखनलालजी की कर्मभूमि रहे खंडवा में 'दादा' की इस कविता की शिनाख्त उनके नाम से बने कन्या महाविद्यालय की दीवार और एक चौराहे पर खड़ी उनकी मूर्ति के पास की जा सकती है।

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले का गांव बाबई माखनलालजी की जन्मभूमि है। वो पीढ़ी अब वहां नहीं जिसकी स्मृति और कंठ में कभी यह कविता धड़कती थी। लेकिन हाल ही दादा के जन्मदिन पर भोपाल स्थित दुष्यंत कुमार स्मृति पाण्डुलिपि संग्रहालय में स्वयं माखनलालजी की आवाज में 'पुष्प की अभिलाषा' का पाठ सुनना रोमांचक अनुभव था। इस तारतम्य में याद आते हैं स्मृति शेष संगीतकार संतूर वादक पंडित ओमप्रकाश चौरसिया जिन्होंने इस कविता को एक मुकम्मल सी धुन में ढालकर वृन्दगान के लिए इसका प्रयोग किया था। उन्हीं की संगीत संस्था मधुकली के युवा कलाकारों ने इसकी दर्जनों प्रस्तुतियां दी थीं। यह 90 का दशक था। दादा की कर्मभूमि खंडवा में आयोजित एक स्मृति समारोह में हिन्दी के अग्रणी कवि शिवमंगलसिंह सुमन खासतौर पर उपस्थित थे। समारोह का आरंभ माखनलालजी की कविताओं के वृन्दगान से हुआ था। इन कविताओं को चौरसियाजी ने ही अलहदा सी धुनों में ढाला था।

कविताओं के इस सुरीले कोलाज में दादा द्वारा रचित 'आग अंतर में लिए पागल जवानी', 'आओ अब आरती उतारें', 'पत्थर के फर्श कगारों में' और 'बदरिया थम-थम कर झर री' के साथ ही 'पुष्प की अभिलाषा' विशेष रूप से शामिल थी। राजीव गांधी जब बतौर प्रधानमंत्री खंडवा के दौरे पर आए तो उनकी उपस्थिति में 'मधुकली वृन्द' इस कविता-गान के लिए आमंत्रित किया गया था। खंडवा के नागचून हेलीपैड के पास खुले मैदान में सभा हुई थी। मंच पर तत्कालीन कांग्रेस सांसद कालीचरण सकरगाए, कवि-राजनेता बालकवि बैरागी और लोक साहित्यकार पंडित रामनारायण उपाध्याय भी उपस्थित थे। खुली वादियों में दूर तक लहराती इस कविता के साथ समारोह का सुरीला मंगलाचरण हुआ था। बाद में बाबई में भी इस कविता का अमृत मधुकली ने छलकाया था। राष्ट्रीय कविताओं के वृन्दगान अलबम 'भारत प्यारा देश हमारा' में भी इस कविता को सुना जा सकता है। पंडित चौरसिया ने राग भूपाली का आधार बनाकर 'पुष्प की अभिलाषा' की बंदिश तैयार की। स्वर संयोजन कविता के भाव के अनुरूप इतना गहरा, उदात्त, मर्मस्पर्शी और प्रभावी कि वृन्द के अनेक स्वरों में इसे सुनना अलौकिक अनुभव बन गया।

(लेखक वरिष्ठ कला समीक्षक और उद्घोषक हैं)

जनमानस

बच्चों को वाहन में अकेला न छोड़ें

विगत दिनों एक खबर के अनुसार खड़ी कार में आग से पिता के सामने 3 साल के मासूम की जान चली गई और पिता और परिजन को जीवनभर का असहनीय दर्द मिल गया। अक्सर लोग दो पहिया वाहन पर भी बच्चों को खड़ी गाड़ी में बिठा देते है और काम में लग जाते हैं। बच्चा गाड़ी से गिर सकता है, कोई जानवर लड़ते हुए गाड़ी गिरा सकता है या वाहन में अचानक आग लग सकती है। कोई वाहन टक्कर मार सकता है, कुछ भी हो सकता है। इस तरह की लापरवाही कभी नहीं करना चाहिए। कार में भी अकेले छोड़ते समय दरवाजे डिजिटल लॉक न हो, गाड़ी में चाबी न लगी रह जाए और कोशिश हो की बच्चों को किसी भी वाहन में अकेले ना छोड़े। घटनाओं का जन्म हो जाता है और हमारी लापरवाही की आहट भी कहीं न कहीं जिम्मेदार हो जाती है और सिवाय मातम चीख पुकार और पछतावा के अलावा कुछ हासिल नहीं होता। वाहनों से बनते कोशिश बच्चों को दूर ही रखे।

- योगेश जोशी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **''गिलेडविन मसीह''** के लिए **''बुलंद मंज़िल''** हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

मासूम बच्चे की मौत के बाद जगा स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

सौंधन में झोलाछाप का क्लीनिक सील

भूरे सिंह यादव/ बुलंद मंज़िल

सौंधन संभल । कैला देवी थाना क्षेत्र के करनपुर कायस्थ गांव निवासी संजय उर्फ नन्हे का 3 वर्षीय बेटा मोहित को झोलाछाप ने बुखार आने पर जांच से पहले ही दो इंजेक्शन लगा दिए ।जिससे मासूम मोहित की मौत हो गई। मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए। शुक्रवार को नोडल अधिकारी मनोज चौधरी के निर्देश पर चिकित्सा अधिकारी चन्द्रशेखर त्यागी ने सौंधन स्थित आरोपी झोलाछाप डॉक्टर अनिकेत के क्लीनिक को सील कर दिया। गौरतलब है ' कि संजय अपने बेटे मोहित को बुखार आने पर इलाज के लिए सौंधन लाए थे। जहां झोलाछाप डॉक्टर ने बच्चे को एक इंजेक्शन लगा दिया गया दूसरे इंजेक्शन लगने के बाद बच्चे की हालत बिगड़ गई और झोला छाप ने अपने बचाव को लेकर बच्चे को संभल भेज दिया ' आनन फानन में परिजन मासूम बच्चे को संभल निजी अस्पताल में पहुंचे तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने क्लीनिक पर हंगामा कर दिया।और घर पहुंचे परिजन मासूम का शव वापस लेकर आ गए। जबकि आरोपी डॉक्टर मौके से फरार हो गया था। मृतक के स्वजनों ने किसी भी पुलिस कार्यवाही से इनकार कर दिया था शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सीज करने की कार्यवाही की गई।

थाने के गेट पर हनुमान चालीसा पाठ कर विरोध जताया बजरंग दल

दैनिक बुलंद मंज़िल

बिसौली: फैजगंज बेहटा कस्बे में बीती 29 तारीख को हिस्वट्रीशीटर व उसके बेटों द्वारा दलित परिवार के साथ की गई मारपीट का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है । बजरंग दल के कार्यकर्ताओ ने पीड़ित परिवार के साथ शेष बचे दो आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर थाने के गेट पर हनुमान चालीसा पाठ कर विरोध जताया।हिस्ट्रीशीटर उसके बेटों का दलित परिवार के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर हिस्ट्रीशीटर व उसके बेटों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है ।इसी मामले में नामजद दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अब तक न होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश बना हुआ है। इसी को लेकर बजरंग दल कार्यकताओं ने पीड़ित दलित परिवार के साथ फैजगंज बेहटा थाने के सामने धरना प्रदर्शन किया । इस दौरान कार्यकताओं ने थाने के बाहर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि शेष बचे दोनों आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके । वहीं काफी देर तक चले इस प्रदर्शन को इंस्पेक्टर मनोज कुमार वर्मा ने दो दिन में शेष बचे आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की बात कही तब बजरंग दल कार्यकर्ता दो दिन के आश्वासन पर शांत हुए ।

सिविलियन विद्यालय खेड़ादास में श्री साई संकीर्तन मंडल चंदौसी द्वारा पौधा वितरण किया

प्रधानाध्यापिका श्रीमती नीलम वार्ष्णेय द्वारा आभार व धन्यवाद व्यक्त किया गया....

दैनिक बुलंद मंज़िल

बिसौली : सिविलियन विद्यालय खेड़ादास में श्री साई संकीर्तन मंडल चंदौसी द्वारा पौधा वितरण किया गया। जिसमें आए हुए अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। मंडल की वरिष्ठ सदस्या द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सभी के द्वारा बच्चों को आशीष वचन दिए गए तथा बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने और अच्छे से पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं श्रीमती डॉली वार्ष्णेय द्वारा बच्चों को नैतिक ज्ञान व व्यावहारिक ज्ञान के बारे में जानकारी दी गई ।ग्रुप के द्वारा पौधों का दान दिया गया तथा यह संदेश दिया गया की प्रकृति को हम जितना संरक्षित करते है उतना ही प्रकृति हमे देती है।।आए हुए अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया सभी का विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नीलम वार्ष्णेय द्वारा आभार व धन्यवाद व्यक्त किया गया

खंड विकास अधिकारी पद पर चयन होने पर हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुलंद मंज़िल / अजयपाल यादव

बदायूं। बदायूं के सहसवान क्षेत्र के ग्राम सिरसा खुर्द निवासी इंद्रपाल सिंह के सुपुत्र रजनीश कुमार खण्ड विकास अधिकारी पद पर चयनित होने के बाद सुभाष गौड़ के आवास पर पहुंचे जहां उनका फूल मालाओं और मिठाइयों के साथ उनका अभिनंदन कर लोगों ने जोरदार स्वागत किया आवास पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। लोगों ने कहा कि क्षेत्र के इस 25 वर्षीय युवा की इस उपलब्धि से पूरे गांव और क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी सहित संभ्रांत लोग मौजूद रहे, और सभी ने उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही बधाई देने वालों में सुभाष गौड,अमित शर्मा, डॉक्टर सचिन शर्मा, दीपक शर्मा, अनुराग दिक्षित, विवेक सक्सेना, विद्याराम शर्मा, बिजेंद्र यादव, आराम सिंह यादव, अमन, कौशर अली, रिजवान, मोरपाल, जावेद, ठाकुर ओमकार सिंह, मुरारी लाल, पुष्पेंद्र ठाकुर,सत्येंद्र पंडित जी ग्राम प्रधान संहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे। रजनीश कुमार ने अपने माता पिता भाई बहन को पुष्प माला पहना कर आशीर्वाद लिया। चयनित हुए रजनीश कुमार ने बताया कि कठिन मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता मिली है। खासकर पढ़ने वाले बच्चों को संदेश दिया कि अच्छी संगत में रहकर तैयारी करे सफलता जरूर मिलेगी। इस उपलब्धि से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। इस सफलता पर अपने दोस्त से प्रेरणा तथा गुरुजनों माता पिता भाई बहन को श्रेय जाता है। उनके आशीर्वाद से मुझे यह सफलता प्राप्त हुई है।

हनुमान मंदिर पर बाला जी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा कर हुआ भंडारे का आयोजन

पांच गाँवों में महिलाओ के द्वारा कलश यात्रा निकालकर की प्राण प्रतिष्ठा

दैनिक बुलंद मंज़िल

बिसौली : क्षेत्र के गाँव कनुआ खेड़ा में सभी ग्रामीणों की सहभागिता से शनिवार को भंडारे का आयोजन कराया गया जिसमे आस-पास के गाँवो में भी प्रसाद ग्रहण करने का न्योता दिया गया था । गाँव में हनुमान मंदिर पर शनिदेव और बालाजी महाराज की प्राण प्रतिष्टा के उपलक्ष्य में महिलाओं ने गुरूवार को पांच गावो में कलश यात्रा निकाली ` बेरीखेड़ा,चमरपुरा, राहोली, चितौरा सहित कनुआखेड़ा गाँव मिलाकर पांच गाँवों पैदल कलश यात्रा निकाली गई कलश यात्रा में ब्रजेश कुमारी,सीमा ठाकुर,कुशुमा,रिंकी,सरोज,शील ा,कृष्णा देवी सहित गाँव की काफी संख्या में महिलाओ व लड़कियां मौजूद रही` उसके बाद शनिवार को विधि विधान से प्राण प्रतिष्टा कराकर भंडारे का आयोजन किया, सभी ग्रामीणों की मदद से इस भंडारे का प्रसाद आस-पास के गाँवों के श्रद्धालुओं ने भी ग्रहण किया` भंडारा दोपहर दो बजे से लेकर प्रभु इच्छा तक चलता रहा` श्रद्धालुओं ने खीर पुडी व सब्जी के साथ रायते वाले प्रसाद की सरहना की` और दूसरी तरफ मंदिर परिसर में कीर्तन में ढोलक, बाजे के साथ चिमटे की धुन में गमगीन होकर भक्तगण कीर्तन करते रहे ` भंडारे में दीपक लाला,अतेन्द्र,सतीश कुमार, प्रेमपाल सिंह ,बंटी, राजकुमार,अनमोल,विशाल ,अंकित,पुनीत कुमार, वीरपाल,अरविन्द,संदीप,कुलद ीप सुनील कुमार,नरेन्द्र अनिल कुमार आदि भक्तो ने श्रद्धालुओं को बैठाकर प्रसाद ग्रहण कराया`

कार की टक्कर से बाईक सवार व्यक्ति की हुई दर्दनाक मौत

बाईक द्वारा संभल से घर लौटते वक्त हुआ हादसा

दैनिक बुलंद मंज़िल

मृतक रागिब का फाइल फोटो

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुसानी। संभल के हसनपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी जिसमें पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल पत्नी का अमरोहा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दुर्घटना शुक्रवार देर रात संभल के नखासा थाना क्षेत्र के हसनपुर मार्ग पर स्थित गांव रमपुरा जट के पास हुई। मृतक की पहचान अमरोहा जनपद के गांव हरियाना निवासी 45 वर्षीय रागिब के रूप में हुई है। उनकी पत्नी तबस्सुम हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई। रागिब और तबस्सुम शुक्रवार दोपहर किसी काम से नगर पंचायत सिरसी गए थे। देर शाम वे बाइक से अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से दंपति को अमरोहा के सरकारी अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान रागिब ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अमरोहा के पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मृतक रागिब अपने पीछे पत्नी तबस्सुम के अलावा तीन बेटे और एक बेटी छोड़ गए हैं।

थाना नखासा प्रभारी संजीव कुमार बालियान ने बताया कि सड़क हादसे में कार की टक्कर लगने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हुई है जबकि उसकी पत्नी घायल हुई है। रोड पर जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरा को चेक कर गाड़ी का पता किया जा रहा है। दोनों अमरोहा जनपद के रहने वाले थे, इसलिए मृतक के शव को अमरोहा के पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है।

एक भी बच्चा छूटे ना संकल्प हमारा टूटे ना स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारम्भ

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल/बहजोई। एक भी बच्चा छूटे ना, संकल्प हमारा टूटे ना के अन्तर्गत स्कूल चलो अभियान शैक्षिक सत्र2026-27 (प्रथम चरण 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तथा द्वितीय चरण 01 जुलाई से 15 जुलाई तक) का शुभारंभ

आज कम्पोजिट विद्यालय शिवपुर वाराणसी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया जिसका सजीव प्रसारण कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं विशिष्ट अतिथि मा. जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी तथा नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय,जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा तथा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा विद्यालयों से आए छात्र एवं छात्राओं द्वारा देखा एवं सुना गया। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वप्रथम मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्रा द्वारा सरस्वती वंदना की गयी तथा मुख्य अतिथि मंत्री जी तथा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष तथा नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी का एक पुष्प तथा एक मूर्ति देकर स्वागत सम्मान किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत गाया। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि स्कूल चलो अभियान जिसका शुभारम्भ आज मुख्यमंत्री द्वारा कम्पोजिट विद्यालय शिवपुर वाराणसी से किया है दो चरणों में चलाया जा रहा है प्रथम चरण 01 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक चलेगा तथा द्वितीय चरण 01 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक चलेगा। इसका उद्देश्य जीरो ड्रॉप आउट करना है।ड्रॉप आउट बच्चों की सूची शारदा एप के माध्यम से प्राप्त होगी इस बार का हमारा लक्ष्य होगा कि हम जीरो ड्रॉप आउट का लक्ष्य प्राप्त करें। स्कूल चलो अभियान हमारे लिए उत्सव की तरह होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल चलो अभियान का बच्चों, अभिभावकों, मीडिया, सोशल मीडिया, पोस्टर बैनर, एलईडी वैन आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार करना है ताकि सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक नामांकन हो सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार की ग्राम कुल की रैली तथा शपथ होती है उनके साथ स्कूल चलो अभियान की शपथ भी दिलवाएं। प्रत्येक शनिवार को स्कूल चलो अभियान की शपथ प्रत्येक बच्चे को दिलवायी जाए। प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण विशेष हैं उनमें स्कूल चलो अभियान से संबंधित शपथ प्रत्येक विद्यालय में हो। उन्होंने कहा कि हमारे सरकारी विद्यालय निजी विद्यालय से कम नहीं है, पीएम श्री विद्यालयों का इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं भविष्य में तैयार होने वाले सम्भल श्री विद्यालयों का इंफ्रास्ट्रक्चर निजी विद्यालयों से अच्छा होगा उन्होंने कहा कि हमें कुछ स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों ,कामकाजी बच्चों एवं गंगा जी के किनारे गाँव वाले बच्चों इत्यादि जो ड्रॉप आउट हैं वह शत प्रतिशत सरकारी विद्यालयों में नामांकित होने चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षा को आगे बढाने का कार्य कर रहे हैं। हमें मुख्यमंत्री के साथ मिलकर अपने देश के नव तरुणों को सक्षम बनाने का प्रयास करें यह तब ही सम्भव है जब हम शिक्षा बच्चों को उचित माध्यम तथा पूरे मनोयोग के साथ पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों के सम्मान तथा अभिभावकों को जागरूक करने का है। उन्होंने कहा कि हमारे सरकारी शिक्षक उच्च शिक्षित हैं वह बहुत से पैरामीटर पर खरे उतरकर परीक्षा पास करके शिक्षक बने हैं, यह शिक्षक हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकते हैं अतः निजी विद्यालय के स्थान पर सरकारी स्कूलों में बच्चों के अधिक से अधिक नामांतरण के लिए अभिभावकों को जागरूक करें। मुख्य अतिथि मंत्री जी ने सर्वप्रथम स्कूल चलो अभियान के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कम्पोजिट विद्यालय शिवपुर वाराणसी से शुभारम्भ करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत शासन और प्रशासन द्वारा नवीन नामांतरण वाले बच्चों के चरण स्पर्श किये जा रहे हैं। इन बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर सम्मान किया जा रहा है, पुस्तकें वितरित की जा रही हैं यह मुख्यमंत्री का सराहनीय कदम है। आज जो बच्चों को सम्मान मिल रहा है तथा इन बच्चों द्वारा मालाएँ पहनी हैं तथा सम्मान पाया है यह सम्मान बच्चों को हमेशा याद रहेगा इससे बच्चों के अंदर आत्मबल तथा आत्मविश्वास की बढोत्तरी होगी। कार्यक्रम के अन्तर्गत नवीन नामांकन वाले बच्चों को मुख्य अतिथि मा. मंत्री जी एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा टीका लगाकर तथा माला पहनाकर, पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके उपरांत मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव एवं अन्य अतिथियों द्वारा स्कूल चलो अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय तथा जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा तथा संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय भगवान परशुराम एकता समिति की विराट प्रस्तुति– जब आस्था खुद कहानी बनकर सड़कों पर उतरेगी और इतिहास रचेगी

मुंडेरा से रामकथा पार्क तक भक्ति की जीवंत गाथा–हर मोड़ पर गहराती जाएगी जय परशुराम की अनकही कहानी

प्रयागराज। कुछ कहानियां लिखी नहीं जातींङ्खवे खुद- ब- खुद जन्म लेती हैं। गलियों से निकलती हैं, लोगों के दिलों में बसती हैं और फिर इतिहास बन जाती हैं। इस बार अक्षय तृतीया पर कुछ ऐसी ही कहानी संगम नगरी में आकार लेने जा रही है–जहां अखिल भारतीय भगवान परशुराम एकता समिति की पहल पर आस्था, परंपरा और एकता एक साथ सड़कों पर उतरने वाली है। रविवार, उन्नीस अप्रैल दो हजार छब्बीसङ्ख दोपहर के ठीक दो बजे। हर-हर महादेव मंदिर, मुंडेरा का वातावरण अचानक बदल उठता है। घंटियों की गूंज, शंखनाद की ध्वनि और ह्लजय परशुरामह्व के गगनभेदी जयघोष के बीच एक भव्य शोभा यात्रा जन्म लेती है। यह सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि भावनाओं का सैलाब है–जो हर कदम के साथ और गहराता जाता है। मुंडेरा से निकलकर जैसे ही यह यात्रा धर्मवीर मूर्ति की ओर बढ़ती है, ऐसा लगता है मानो इतिहास खुद इसके साथ चल पड़ा हो। बजरंग चौराहे पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है, फूलों की वर्षा होती है और हर आंख में एक ही चमक दिखाई देती है–भक्ति की। इमली के पेड़ के नीचे से गुजरती यह यात्रा परंपराओं की छांव लिए आगे बढ़ती है। कंधईपुर लेबर चौराहे पर पहुंचते-पहुंचते यह एक विराट रूप ले लेती है, जहां हर कोई इस कहानी का हिस्सा बनना चाहता है। प्रीतम नगर दुर्गा पूजा पार्क से गुजरते हुए ढोल-नगाड़ों की थाप और भजनों की गूंज इस माहौल को और भी दिव्य बना देती है। चौफटका तक पहुंचते-पहुंचते यह सिर्फ एक यात्रा नहीं रहती–यह जनआस्था का महाकुंभ बन जाती है। लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं होतीङ्ख यह आगे बढ़ती है, सुलेम सराय के रास्ते ट्रांसपोर्ट नगर स्थित रामकथा पार्क तक, जहां जलपान के साथ इसका समापन होता है–और लोगों के दिलों में एक नई शुरूआत की छाप छोड़ जाती है। इस जीवंत कहानी में कई प्रभावशाली किरदार भी हैं, जो इसे और भव्य बनाते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक इंजीनियर उदयभान करवरिया की उपस्थिति इस आयोजन को विशेष आयाम देती है। वहीं फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल, फूलपुर के विधायक, शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन वाजपेई, शहर पश्चिमी के विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश शुक्ला, चायल कौशांबी की विधायक पूजा पाल, पूर्व विधायक प्रभात शंकर पांडे, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री लालमणि तिवारी, अनीता त्रिपाठी और जयपाल सहित अनेक प्रमुख हस्तियां इस आयोजन की गरिमा बढ़ाएंगी। और इस पूरी कथा के असली सूत्रधार–अखिल भारतीय भगवान परशुराम एकता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित ओम प्रकाश गौतम, राष्ट्रीय महामंत्री पंडित नरेंद्र कुमार द्विवेदी एवं समस्त पदाधिकारीगण–जो इसे केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था का उत्सव बनाने में दिन-रात जुटे हैं। इस भव्य आयोजन की झलक और इसकी गहराई को शब्दों में पिरोने का कार्य प्रथम मंच के संवाददाता एवं समिति के जिला मीडिया प्रभारी विजय शुक्ला ने किया है, जिनकी लिखी यह स्क्रिप्ट खुद बयां करती है कि यह आयोजन केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव है। जैसे-जैसे उन्नीस अप्रैल नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे यह कहानी और गहराती जा रही है। प्रयागराज इस दिन सिर्फ एक शहर नहीं रहेगा–वह एक मंच होगा, जहां आस्था अभिनय करेगी, परंपरा संवाद बोलेगी और हर श्रद्धालु इस कहानी का हिस्सा बन जाएगा। यह सिर्फ एक शोभा यात्रा नहींङ्ख यह वह कहानी है, जिसे हर कोई देखना, सुनना और अपने दिल में सहेज कर रखना चाहेगा।

गुड फ्राइडे पर ताजपुर के सेक्रेड हार्ट चर्च में निकला क्रूस जुलूस, भावुक हुए श्रद्धालु

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद फैजान

बिजनौर/ताजपुर। ताजपुर के ऐतिहासिक सेक्रेड हार्ट चर्च में गुड फ्राइडे के अवसर पर श्रद्धापूर्वक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को स्मरण करते हुए चर्च परिसर में क्रूस जुलूस निकाला गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में चर्च के पादरी फादर सैमुअल ने विशेष प्रार्थना कराई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने क्रूस के साथ जुलूस निकाला। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने नाटक के माध्यम से ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने की घटना का मार्मिक मंचन किया, जिसे देखकर उपस्थित लोग भावुक हो उठे।प्रार्थना सभा के बाद फादर सैमुअल ने कहा कि प्रभु यीशु मानव मुक्ति के लिए अवतरित हुए और उन्होंने प्रेम, क्षमा और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने सभी से अपने जीवन को पवित्रता के साथ जीने और दूसरों के प्रति सद्भाव रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर शांतिनगर, नई बस्ती सहित अन्य क्षेत्रों से आए सुनील जॉर्ज, इमानुएल, रिचा, नोयल, अंश, एरिक, अमोस, अंकुश, विल्सन, आकाश, प्रिंस, प्रिया, एंसलिन, साइमन, अनिल, सेबेस्टियन, अनमोल जॉर्ज, सिस्टर निशा, सिस्टर कुसुम, सिस्टर विनीता, सिस्टर मैविस समेत बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हाशमी एजुकेशनल एकेडमी का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

भाई-बहन ने लहराया परचम, वार्षिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ मौहम्मद फैजान

चांदपुर/बिजनौर। नगर के बस्ता रोड स्थित हाशमी एजुकेशनल एकेडमी में घोषित वार्षिक परीक्षा परिणाम में इस वर्ष छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। खास बात यह रही कि एक ही परिवार के दो बच्चों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कक्षा 7 की मेधावी छात्रा आमीना रशीद, पुत्री मोहम्मद फर्रुख रशीद, ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। वहीं उनके छोटे भाई

अमान रशीद, कक्षा 2 के छात्र, ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। भाई-बहन की इस सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है।

विद्यालय के शिक्षकों ने इस उपलब्धि को बच्चों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम बताया। विद्यालय प्रबंधन ने दोनों होनहार छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर बच्चों के पिता मोहम्मद फर्रुख रशीद ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसके लिए नियमित पढ़ाई, अनुशासन और परिवार का सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा, ह्लबेटियों को भी बेटों के समान शिक्षा और अवसर मिलना चाहिए। जब हम अपनी बेटियों को आगे बढ़ाएंगे, तभी समाज सही मायनों में प्रगति करेगा। उन्होंने आगे अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें और उन्हें अच्छे संस्कारों के साथ शिक्षा दिलाएं, ताकि वे देश और समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। विद्यालय प्रशासन ने भी इस सफलता को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसे परिणाम अन्य विद्यार्थियों को भी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

स्मार्ट मीटर पर संसद में गूंजा गरीबों का दर्द: चंद्रशेखर के सवालों से घिरी सरकार

सांसद चंद्रशेखर के सवालों से सरकार बैकफुट पर,ऊर्जा मंत्री बोले–जबरन नहीं लगेगा मीटर

बुलंद मंज़िल उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

धामपुर। देशभर में तेजी से लगाए जा रहे स्मार्ट विद्युत मीटर का मुद्दा संसद में जोरदार तरीके से उठा, जब चंद्रशेखर आजाद ने आम जनता–खासकर दिहाड़ी मजदूरों, छोटे व्यापारियों और किसानों–की समस्याओं को सदन में प्रमुखता से रखा। उनके सवालों के बाद सरकार को सफाई देनी पड़ी।

सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में गरीबों के सामने ह्लपहले बिल भरो, फिर बिजलीह्व जैसी स्थिति बन गई है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने तर्क दिया कि देश में करोड़ों लोग ऐसे हैं जो रोज कमाकर अपना गुजारा करते हैं, और कई बार लगातार काम न मिलने से उनकी आय रुक जाती है। ऐसे में समय पर बिजली बिल न भर पाने पर कनेक्शन काट देना उनके लिए गंभीर संकट पैदा करता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब घर में बिजली नहीं होगी तो बच्चों की पढ़ाई, परिवार का दैनिक जीवन और छोटे-छोटे जरूरी काम कैसे पूरे होंगे।

सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था के जरिए

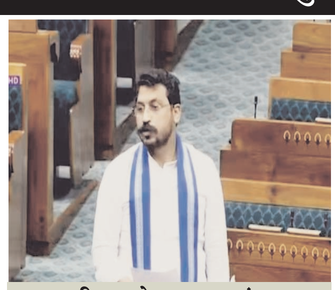

नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद

उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाया जा रहा है, जिससे वे नई प्रणाली अपनाने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

इन सवालों के जवाब में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सदन में स्पष्ट किया कि देश में कहीं भी स्मार्ट मीटर जबरन नहीं लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से स्वैच्छिक (डस्त्र३ङ्गल्लं') व्यवस्था है और उपभोक्ता अपनी इच्छा के अनुसार पुराने मीटर को जारी रख सकते हैं।ऊर्जा मंत्री ने यह भी बताया कि यदि कोई उपभोक्ता पुराने मीटर से स्मार्ट मीटर पर शिफ्ट होता है, तो पहले जमा की गई सिक्योरिटी राशि वापस करने का भी प्रावधान है, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा।

धामपुर सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन

हालांकि, इस मुद्दे ने देशभर में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। सांसद चंद्रशेखर द्वारा संसद में यह विषय उठाए जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि स्मार्ट मीटर को अपनाना अनिवार्य नहीं है और उपभोक्ताओं को इसका पूरा अधिकार है।

सांसद ने इस मुद्दे को और व्यापक बनाते हुए कहा कि एशियाई देशों में चल रहे तनाव के कारण गैस की कमी बनी हुई है, जिससे बड़े शहरों में लाखों परिवार अब बिजली आधारित चूल्हों पर निर्भर हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली आपूर्ति बाधित होती है या स्मार्ट मीटर के कारण कनेक्शन कटता है, तो यह आम लोगों के लिए भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी संकट खड़ा कर सकता है।अंत में उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसी ठोस व्यवस्था बनाई जाए जिससे किसी भी स्थिति में गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को बिजली कटौती जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

लोकसभा नगीना की जनता का आशीर्वाद,गरीबों की आवाज संसद तक– सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन

धामपुर। सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन ने कहा कि सांसद चंद्रशेखर आजाद आज संसद में जिस मजबूती और बेबाकी के साथ गरीबों, मजदूरों और आम जनता की आवाज उठा रहे हैं, वह नगीना लोकसभा क्षेत्र की जनता के अपार आशीर्वाद और विश्वास का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह जनता का भरोसा ही है, जो सांसद को हर वर्ग की समस्याओं को निर्भीकता से सदन में रखने की ताकत देता है। विवेक सेन ने आश्वासन दिया कि आगे भी सांसद चंद्रशेखर आजाद इसी तरह जनता की हर आवाज, हर समस्या और हर मुद्दे को संसद में प्रमुखता से उठाते रहेंगे तथा क्षेत्र के विकास और जनहित के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

मिशन शक्ति का असर: चांदपुर में छात्राओं को सिखाए गए सुरक्षा के गुर, हेल्पलाइन से लेकर साइबर क्राइम तक मिली पूरी जानकारी

दैनिक बुलंद मंजिल/ नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त व जागरूक बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 (चरण-2) अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 04.04.2026 को महिला थाना चांदपुर की टीम द्वारा वैदिक कन्या इंटर कॉलेज, चांदपुर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर सुरक्षा और अधिकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

इस अवसर पर महिला हेड कांस्टेबल दीपा आर्य, महिला कांस्टेबल राजेश्वरी एवं महिला होमगार्ड मीनाक्षी ने छात्राओं को विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या आपात स्थिति में वे तुरंत हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग कर सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

हेल्पलाइन नंबरों की दी विस्तृत जानकारी

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया गया और इनके उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई।

साइबर अपराध से बचाव पर विशेष जोर

महिला पुलिस टीम ने छात्राओं को मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान करता है, अश्लील संदेश भेजता है या ऑनलाइन उत्पीड़न करता है, तो इसकी शिकायत तुरंत संबंधित प्लेटफॉर्म और साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज करानी चाहिए।

महिला अधिकार और सुरक्षा पर जागरूकता

कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, मारपीट और महिलाओं के अधिकारों के विषय में भी जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि वे किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और कानून उनके साथ है।

आत्मविश्वास बढ़ाने पर जोर

टीम ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी जानकारी भी साझा की गई।

छात्राओं में दिखा उत्साह और जागरूकता

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और अपनी जिज्ञासाओं को खुलकर साझा किया। इस आयोजन से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित हुई।

मिशन शक्ति अभियान के तहत इस तरह के कार्यक्रम समाज में महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे प्रयास न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

द हेजलमून स्कूल की आर्ट वर्कशॉप में निखरी बच्चों की प्रतिभारंग, कल्पना और हुनर का धमाका

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चाँदपुर। स्थित द हेजलमून स्कूल में आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यशाला में विद्यालय के कार्नेलियन हाउस, सिट्रिन हाउस, एमेरल्ड हाउस और सफायर हाउस के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर रंग-बिरंगी कलाकृतियों और बच्चों की रचनात्मक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। इस वर्कशॉप का संचालन मिस

अमिता जुनेजा एवं मिस सुमबुल द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को आर्ट एंड क्राफ्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। बच्चों को बोर्ड डेकोरेशन, स्ट्रिप्स कटिंग, बोर्ड कवरिंग, पेपर कटिंग, फ्लावर कटिंग तथा पेपर में आकर्षक कलर कॉम्बिनेशन बनाने की बारीकियाँ सिखाई गईं।

बच्चों ने दिखाई अद्भुत रचनात्मकता

वर्कशॉप के दौरान बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी बनाई गई आकर्षक कलाकृतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और यह साबित किया कि सही मार्गदर्शन मिलने पर बच्चों की प्रतिभा किस तरह निखर सकती है।

इस अवसर पर विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में नई सोच और सृजनात्मकता को विकसित करने में अत्यंत सहायक होती हैं। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी गतिविधियाँ भी उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वहीं विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती गरिमा सिंह ने अपने संदेश में कहा कि आर्ट एंड क्राफ्ट जैसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को भी मंच मिलता है।

सम्मान के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की सराहना की गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। यह वर्कशॉप बच्चों के लिए सीखने और अपनी रचनात्मकता को निखारने का एक यादगार अवसर साबित हुई।

गौशाला में बदहाल गोवंश दो-दो शिकायतें लंबित, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

दैनिक बुलंद मंजिल/नागेन्द्र राजपूत तहसील प्रभारी चांदपुर

चांदपुर।जनपद बिजनौर के ग्राम फीना स्थित अजीमुल्ला नगर की गौशाला में गोवंशों की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में एक नहीं बल्कि दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, लेकिन दोनों ही शिकायतें अभी तक लंबित हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहली शिकायत संख्या 40013426008047 दिनांक 18 मार्च 2026 को दर्ज हुई। दूसरी शिकायत संख्या 40013426008083 दिनांक 19 मार्च 2026 को दर्ज कराई गई थी, जबकि

दोनों शिकायतें माननीय योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए की गई हैं, जिनमें गौशाला में गोवंशों की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया गया है।

क्या है शिकायत का मुद्दा?

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि ग्राम फीना के अजीमुल्ला नगर स्थित गौशाला में गोवंशों की देखरेख ठीक ढंग से नहीं की जा रही है। उन्हें पर्याप्त चारा, पानी और चिकित्सीय सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जिससे उनकी हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है।

दोनों शिकायतें अब तक लंबित

गंभीर बात यह है कि 18 और 19 मार्च को दर्ज हुई ये शिकायतें अब तक लंबित स्थिति में हैं। इतने दिनों बाद भी कोई ठोस कार्रवाई न होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। गौवंशों की हालत को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है और वे जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गौवंशों को बेहतर देखभाल मिल सके।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होना यह दशार्ता है कि संबंधित विभाग इस गंभीर मामले को लेकर कितने संवेदनशील हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन कब जागता है और बेबस गोवंशों को राहत मिलती है।

गौशाला जैसे संवेदनशील विषय पर लापरवाही न केवल प्रशासनिक विफलता को दशार्ती है, बल्कि पशुओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करती है। समय रहते कार्रवाई न हुई तो यह मामला और गंभीर रूप ले सकता है।

सहायक अध्यापक मौहम्मद जिकरूर्रहमान अंसारी का भव्य विदाई समारोह, जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

दैनिक बुलंद ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नगीना। नगीना के ग्राम करौंदा पच्दू के निवासी मौहम्मद जिकरूर्रहमान अंसारी साहब के (सहायक अध्यापक सविलियन विद्यालय जगन्नाथपुर)विदाई समारोह के कार्यक्रम में विधायक नगीना (पूर्व मंत्री) माननीय मनोज पारस जी ओर मो अय्युब (पूर्व प्रधानाध्यापक)

प्राथमिक विद्यालय कालाखेड़ी प्रथम जी ने मदरसा मिफ्ताहुल उलूम और जूनियर हाई स्कूल ग्राम करौंदा पच्दू में शिरकत की और मौहम्मद जिकरूर्रहमान अंसारी साहब को फूल माला पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं मुबारकबाद दी और शेष जीवन में सुखी, निरोग और स्वस्थ रहने की कामना करते हुए समाज को अपनी सेवाएं देने की अपील की

इस शुभ अवसर पर ग्राम प्रधान करौंदा चौधर,अकील मंसूरी साहब, रईसुद्दीन अंसारी साहब पूर्व ग्राम प्रधान करौंदा चौधर, अकील अंसारी साहब, सरफराज अंसारी साहब,मौहम्मद मुशर्रफ साहब ग्राम प्रधान मंगेलपुरा, शमीम अहमद साहब तस्लीम अहमद साहब सिराजुद्दीन अंसारी साहब वसीम अहमद साहब नईम अंसारी साहब इमरान अंसारी साहब, आदि लोग मौजूद रहे।

मुरादाबाद में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

बुलन्द मंज़िल/ सलमान यूसुफ

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के पर्यवेक्षण में महिला सुरक्षा दल ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बच्चों से संबंधित समस्याओं पर खुलकर चर्चा की गई। साथ ही घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध कानून, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध और महिलाओं की गरिमा के खिलाफ होने वाले अपराधों के बारे में विस्तार से बताया गया महिला सुरक्षा दल ने उपस्थित महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वन स्टॉप सेंटर 181, साइबर हेल्पलाइन 1930, स्वास्थ्य सेवा 102 और एम्बुलेंस सेवा 108 पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है इसके अलावा जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थानों की हेल्प डेस्क तथा राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद के सभी थानों में पुलिस की पाठशाला और चौपाल के माध्यम से महिलाओं और छात्राओं को जागरूक करने का कार्य लगातार जारी है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।

सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने वालों पर प्रशासन सख्त, होगी कठोर कार्रवाई

खबर शेयर करने से पहले करें पुष्टि, अफवाह फैलाने वालों की होगी निगरानी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी जिला मजिस्ट्रेट अनुज सिंह ने आम जनता के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और विभिन्न वेबसाइट्स पर सक्रिय लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बिना सत्यापन के किसी भी मैसेज या खबर को आगे भेजना गंभीर परिणाम ला सकता है

प्रशासन के अनुसार, भ्रामक खबरें तेजी से फैलकर समाज में नकारात्मक माहौल पैदा करती हैं और कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में अफवाह फैलाने वालों और गलत जानकारी साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी इसके साथ ही प्रशासन ने यूट्यूब चैनलों, फेसबुक पेजों, वेबसाइट संचालकों और व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन की पहचान करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं।

1.700 किलो चरस, तमंचा और लूट का माल बरामद, दो शातिर गिरफ्तार

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद। थाना कटघर पुलिस ने अपराध एवं मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 700 ग्राम अवैध चरस, एक तमंचा .315 बोर, पीली धातु की एक बाली तथा 2500 रुपये नकद बरामद किए हैं गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन पुत्र आसिम निवासी ग्राम गोट, थाना कटघर और आसिफ पुत्र आबिद निवासी ग्राम सक्टू नगला, थाना मुढ़ापांडे, जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी न केवल मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त थे, बल्कि हाल ही में एक दंपति से लूट की वारदात को भी अंजाम दे चुके हैं बताया गया कि आरोपियों ने दंपति से मोबाइल फोन, 4000 रुपये नकद और महिला के कान की बाली लूट ली थी। इस मामले का खुलासा पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने किया उन्होंने बताया कि थाना कटघर पुलिस क्षेत्र में गश्त और सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपियों ने कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों सुनसान स्थानों पर अकेली महिलाओं और राहगीरों को निशाना बनाकर लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस को आशंका है कि इनका संबंध अन्य आपराधिक वारदातों से भी हो सकता है, जिसकी जांच की जा रही है पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, लूट और अवैध शस्त्र अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है एसपी सिटी ने कहा कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने थाना कटघर पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, जिससे आमजन में सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बना रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण वर्ग में जुटे जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण वर्ग के आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय मंत्री हरजिंदर कौर, एमएलसी गोपाल अंजान एवं महापौर विनोद अग्रवाल उपस्थित रहे कार्यक्रम का संयोजन धर्मेंद्र नाथ मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महानगर महामंत्री अमित शर्मा, मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जयसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता सहित सुनीता शर्मा, विनीता महरोत्रा, शशी किरण, पार्षद पंकज शर्मा, निर्वेश भटनागर, अजय वर्मा, पार्षद सुरेन्द्र विश्नोई, टीटू सैनी, पुनीत गुप्ता, मयंक कश्यप, अनुज शर्मा, विजय वर्मा, अनूप महरोत्रा, राजेंद्र पाल, गौरव पांडे, नीरज शर्मा, प्रवीण वोरा, रघुवीर चौधरी, योगेश गुप्ता, विशाल अग्रवाल, बबली यादव, मीना सक्सैना, रेखा शर्मा, शैलेश गौड़, हरिओम सैनी, सुमित चौहान, सौरभ शर्मा, संजीव शर्मा, आशीष सक्सैना, रोशन सिंह, नूरहसन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारीगण, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, पार्षदगण एवं क्षेत्रवासी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान संगठनात्मक मजबूती, विचारधारा के प्रसार एवं कार्यकताओं के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया।

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत मुरादाबाद में भव्य जागरूकता कार्यक्रम, छात्राओं ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं जागरूकता के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स, मुरादाबाद में एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, मुरादाबाद एवं अपर जिलाधिकारी (नगर) मुरादाबाद ने संयुक्त रूप से की।कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और जागरूकता को लेकर अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए और महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन, सुरक्षा उपायों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी इस अवसर पर जनपद के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक और अभिनय के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का प्रभावी संदेश दिया गया, जिसकी सभी ने सराहना की कार्यक्रम में समाज सेवा, महिला सुरक्षा और जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, छात्राओं एवं अन्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया इस दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, छात्र-छात्राएं तथा अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और उपस्थित लोगों में जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती, बिना पुष्टि खबर चलाने पर होगी कार्रवाई

बुलन्द मंज़िल सलमान यूसुफ

मुरादाबाद । जिला अधिकारी अनुज सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सोशल मीडिया पर भ्रामक और अपुष्ट खबरें प्रसारित करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी संवेदनशील मामले में बिना आधिकारिक पुष्टि के खबरें प्रसारित करना गंभीर अपराध माना जाएगा प्रशासन के अनुसार, हाल के दिनों में व्हाट्सएप, ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर कई मामलों को सनसनीखेज तरीके से पेश किया जा रहा है, जिससे आमजन में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है और कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है।अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया सूचना का सशक्त माध्यम है, लेकिन इसके उपयोग में जिम्मेदारी और सतर्कता बेहद आवश्यक है। किसी भी खबर को साझा करने या ब्रेकिंग न्यूज बनाने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि करना अनिवार्य है प्रेस विज्ञप्ति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के दुरुपयोग को लेकर भी चिंता जताई गई है। एडिटेड फोटो और वीडियो के जरिए लोगों और संस्थाओं की छवि खराब करने के मामले सामने आ रहे हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जा रहा है प्रशासन ने पत्रकारों से भी अपील की है कि वे खबर प्रसारित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि अवश्य करें, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो यदि कोई व्यक्ति या समूह इन निदेर्शों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कठोर और अभूतपूर्व कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और संदिग्ध मामलों की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

जनसामान्य की शिकायतों के लिए किया गया संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल/बहजोई। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में तहसील सम्भल के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। आज तहसील सम्भल में आए प्रार्थना पत्रों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त शिकायती पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता पूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण निचले स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.तरुण पाठक, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप कुमार सिंह, एएसपी आलोक भाटी, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता सहित पांच को भेजा जेल

शादी समारोह हुई फायरिंग में 10 लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ था मुकदमा

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस, स्वाट टीम व एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में मैरिज होम में जान से मारने की नियत से फायरिंग करने वाले भाजपा नेता सहित पांच वांछित अभियुक्तों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था, मंगलवार को सभी अभियुक्तों को अदालत में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया। तीन अप्रैल को थाना कोतवाली, स्वांट टीम व एसओजी पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली पर पंजीकृत 26 धारा 191(2), 190, 191(3), 352, 115(2), 351(3), 109 बीएनएस व आर्म्स एक्ट व 7 सीएल एक्ट में वांछित तिलकवीर पुत्र राजवीर सिंह निवासी कृष्णविहार कालोनी थाना कोतवाली मथुरा, रवी पुत्र राजवीर सिंह निवासी कृष्णविहार कालोनी थाना कोतवाली मथुरा, गिरीश पुत्र हरिप्रसाद निवासी कृष्णविहार कालोनी थाना कोतवाली मथुरा, राजू उर्फ राजीव पुत्र मोहन श्याम निवासी कृष्ण विहार कालोनी थाना कोतवाली मथुरा, सौदान सिंह पुत्र मोहन सिंह समस्त निवासीकृष्णविहार कालोनी थाना कोतवाली मथुरा को ग्रेटर नोएडा के नोलिज पार्क के पास स्थित होटल डोलिंग रिसोर्ट से गिरफ्तार किया। 13 मार्च को थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत राम सिया वाटिका मैरिज होम में बारातियो व स्थानीय लोगो में आपस में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद दोनो पक्षों के द्वारा आपस में एक दूसरे के ऊपर नाजायज तमंचा से फायरिंग की घटना कारित की गयी थी। घटना के सम्बन्ध में थाना कोतवाली में 10 अभियुक्तों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसमें विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। दो बलेनो कार को भी जब्त किया गया है। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा थाना कोतवाली मथुरा, एसआई रविन्द्र बाबू थाना कोतवाली, एसआई पवन चौहान थाना कोतवाली, एसआई संदीप एसओजी प्रभारी मथुरा आदि थे।

तलकवीर पर 2008 में दर्ज हुआ था पहला मुकदमा

पूर्व पार्षद, पार्षद प्रतिनिधि और भाजपा नेता तिलकवीर चौधरी पर वर्ष 2008 में थाना मथुरा कोतवाली में पहला मुकदमा आईपीसी की धारा 307 में दर्ज हुआ था। इसके बाद थाना शहर कोतवाली में ही 2016 में आईपीसी की धार 307 के तहत दूसरा मुकदमा दर्ज हुआ था। थाना हाइवे में 2008 में एक और आपराधिक मामला दर्ज हुआ। इन सभी मामलों पुलिस चार्ज सीट दिखिल कर चुकी है।

तहसील मांट में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित, डीएम-एसएसपी ने सुनीं फरियादियों की शिकायतें

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में तहसील मांट में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि भूमि विवाद सहित अन्य मामलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण कर शिकायतों का निस्तारण किया जाए। साथ ही सभी अधिकारियों को प्रतिदिन प्रातः 10 से 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसमस्याएं सुनने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी, एसएसपी, उप जिलाधिकारी मांट रितु सिरोही एवं क्षेत्राधिकारी मांट संदीप कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी में ह्यस्कूल चलो अभियान के शुभारंभ एवं निपुण विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की जानकारी देते हुए बताया गया कि तहसील मांट में 71 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1 का मौके पर निस्तारण किया गया। गोवर्धन तहसील में 25 में से 3, महावन में 27 में से 4, सदर तहसील में 46 में से 1 शिकायत का निस्तारण किया गया, जबकि छाता तहसील में 38 शिकायतें प्राप्त हुईं।

संक्षिप्त खबरें

कनैटा स्कूल में प्रतिभाओं का उत्सव, मेडल-ट्रॉफी से बढ़ाया बच्चों का हौसला

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर ब्यूरो। क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय कनैटा में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा, जहां बच्चों की उपलब्धियों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया गया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक अर्शे आलम ने कुशलता के साथ किया। समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय योग्यता आधारित परीक्षा में चयनित तीन होनहार विद्यार्थियों–उवैश, आंचल और मोहित–को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित करने से हुई। इसके बाद प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। एआरपी सुलेमान फराज, शिक्षण संकुल सत्यपाल, ग्राम प्रधान जाबिर अली तथा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मोहम्मद मुस्तफा ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के सहायक अध्यापक ब्रह्मज्ञान सिंह और शहजाद आलम का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। इसके अलावा देशवीर सिंह, विक्रम सिंह, अशोक, जीशान, रूबी सहित अन्य शिक्षक एवं बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में बच्चों के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ, बल्कि पूरे गांव में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश भी छोड़ गया।

नाबालिग से दुष्कर्म व जबरन गर्भपात के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म एवं जबरन गर्भपात कराए जाने के गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से पुलिस की तत्परता और महिला सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता एक बार फिर सामने आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी द्वारा थाना आदमपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया गया कि उसकी नाबालिग पुत्री के साथ ग्राम रूपानांगल निवासी निर्विकार पुत्र सतपाल ने जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता द्वारा विरोध करने और शिकायत की बात कहने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी पर पीड़िता का बिना सहमति के गर्भपात कराने का भी गंभीर आरोप लगाया गया है।

तहरीर के आधार पर थाना आदमपुर पुलिस ने धारा 65(1), 351(2), 89 बीएनएस तथा पोक्सो एक्ट की धारा 5/6 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सर्विलांस टीम एवं थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

निदेर्शों के अनुपालन में पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए अभियुक्त की तलाश शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे जघन्य अपराधों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समाज में कानून का भय बना रहे और पीड़ितों को न्याय मिल सके।

इस घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच आक्रोश भी देखने को मिला, वहीं पुलिस की त्वरित कार्रवाई से लोगों में कुछ हद तक संतोष भी है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि इस प्रकार की घटनाओं की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

स्कूल चलो अभियान में गूंजा संदेश: पढ़ाई सिर्फ नौकरी नहीं, जीवन का आधार

दैनिक बुलंद मंज़िल

असलम सैफी जिला प्रभारी अमरोहा। शनिवार को ह्स्कूल चलो अभियान 2026ह्न के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो ने की। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी के शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय से किए गए अभियान के शुभारंभ का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिकता, सहनशीलता और देश के प्रति कर्तव्य भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा का आधार परिवार होता है, लेकिन बच्चे के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि बच्चों को सही मार्गदर्शन मिले तो वे जिला, मंडल, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा घर पर न बैठे और सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाएं। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए 3 वर्ष तक के बच्चों का पंजीकरण आंगनबाड़ी केंद्रों में और 6 वर्ष तक के बच्चों का प्रवेश बेसिक विद्यालयों में सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही कक्षा 5, 8 और 10 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का क्रमशः अगली कक्षाओं में प्रवेश सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया गया। शिक्षक विधायक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में जो नई पहल की गई हैं, वे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को संकल्प दिलाया कि वे अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए जनपद को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में योगदान देंगे। नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों को शुभकामनाएं भी दीं। अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की कि वे घर-घर जाकर बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित न रह जाए। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० मोनिका सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि सभी बच्चों को समान शिक्षा का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि एक लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों का सशक्त होना आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से ही बच्चे आत्मनिर्भर, कुशल और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं, जो देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने मिलकर स्कूल चलो अभियान 2026 को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मिशन शक्ति-5 के तहत छात्राओं को किया जागरूक, हेल्पलाइन नंबरों व साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत कोतवाली हसनपुर की शक्ति दीदी टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर एवं ग्राम शाहपुर कलां में छात्र-छात्राओं को सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम के दौरान शक्ति दीदी टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090, 112, 181 आदि के बारे में विस्तार से बताया और जरूरत पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी प्रकाश डाला गया। टीम ने बताया कि सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करें, किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक न करें और अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इसके अलावा सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सतर्क और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया गया।

अभियान के अंत में टीम द्वारा जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए, ताकि छात्र-छात्राएं इन जानकारियों को याद रख सकें और जरूरत पड़ने पर दूसरों को भी जागरूक कर सकें। इस पहल की छात्राओं एवं शिक्षकों ने सराहना की

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, पत्नी गंभीर

मृतक का फाइल फोटो

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर.। संभल जनपद में शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में अमरोहा निवासी बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा रमपुरा बिजली घर के पास सैद नगली रोड पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार सैद नगली थाना क्षेत्र के गांव हरियाना निवासी 45 वर्षीय मोहम्मद रागिब अली अपनी पत्नी तबस्सुम के साथ बाइक से संभल से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को तत्काल हसनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने रागिब अली को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी तबस्सुम की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। वर्तमान में उनका अमरोहा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। रागिब के तीन पुत्र और एक पुत्री का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

जनपद में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल

असलम सैफी जिला प्रभारी अमरोहा। जनपद में किसानों के लिए उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में अमरोहा में यूरिया, डीएपी और एनपीके उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। शनिवार तक जनपद में 12,440 मीट्रिक टन यूरिया, 2,721 मीट्रिक टन डीएपी और 7,518 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है, जिससे किसानों को आगामी फसल सीजन में कोई दिक्कत नहीं होगी।

प्रशासन ने उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और नियंत्रित बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। सभी फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे निर्धारित दरों पर ही उर्वरकों की बिक्री करें और किसानों के साथ किसी भी प्रकार की जबरन टैगिंग न करें। विशेष रूप से अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर-अनुदानित उत्पादों को जोड़कर बेचने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इसके अलावा विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि माइक्रोन्यूट्रिएंट मिश्रण उर्वरकों का पूरा विवरण स्टॉक रजिस्टर और बिक्री रजिस्टर में दर्ज किया जाए। किसानों को हर खरीद के बाद रसीद देना अनिवार्य होगा और उसका रिकॉर्ड बिक्री केंद्र पर सुरक्षित रखना भी जरूरी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि निरीक्षण के दौरान स्टॉक या बिक्री का सही विवरण नहीं पाया गया तो संबंधित विक्रेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उर्वरकों की बिक्री पर भी सीमा तय की गई है। एक फसल सीजन में प्रति हेक्टेयर अधिकतम 7 बैग यूरिया और 5 बैग डीएपी ही उपलब्ध कराए जाएंगे। यह व्यवस्था किसानों को उनकी जोत के आधार पर उचित मात्रा में उर्वरक सुनिश्चित करने के लिए लागू की गई है। जिलाधिकारी अमरोहा के निर्देश पर उर्वरकों की निगरानी के लिए तहसील, विकास खंड और न्याय पंचायत स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यह टीम ओवररेटिंग, कालाबाजारी और तस्करी पर नजर रखेगी तथा यह सुनिश्चित करेगी कि उर्वरकों की बिक्री पीओएस मशीन के माध्यम से ही हो।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में सभी विक्रेताओं को नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है।

2 घंटे में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार—पूरी रकम बरामद

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना पुलिस ने चोरी की घटना का महज दो घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से चोरी की गई ?73,000 की पूरी नकदी बरामद कर ली। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 2 बजे डायल 112 पर इमरान पुत्र तहजीब हसन, निवासी मोहल्ला पापड़ी ने सूचना दी कि अज्ञात चोर उसके घर का ताला तोड़कर नकदी चोरी कर ले गया है। सूचना मिलते ही थाना नौगांवा सादात के प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगे सीसीटीवी कैमरों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से तेजी से कार्रवाई करते हुए घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी जुबैर अब्बास पुत्र हैदर रजा, निवासी मोहल्ला शाह फरीद को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले पीड़ित के घर में पेंट का काम कर चुका था, जिससे उसे घर की स्थिति की जानकारी थी। पैसों की जरूरत के चलते उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आबादी के बीच गेस्ट हाउसों का संचालन, गजरौला में स्थानीय लोगों में बढ़ता आक्रोश

दैनिक बुलंद मंज़िल

सर्वेश यादव अमरोहा। गजरौला में रमाबाई डिग्री कॉलेज को जाने वाले मार्ग पर आबादी के बीच संचालित हो रहे कई गेस्ट हाउसों को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। नगरवासियों का कहना है कि रिहायशी इलाके में इस तरह के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन से सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है, जिसका सीधा असर स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, इन गेस्ट हाउसों में आने-जाने वाले बाहरी लोगों की गतिविधियों से क्षेत्र का माहौल दिन-प्रतिदिन खराब होता जा रहा है। अभिभावकों ने चिंता जताई है कि इसी रास्ते से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं रोजाना अपने शिक्षण संस्थानों के लिए गुजरते हैं, ऐसे में इस तरह के माहौल का उनके मानसिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कई गेस्ट हाउस बिना उचित नियमों और मानकों का पालन किए संचालित किए जा रहे हैं, जिससे सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि रात्रि के समय इन स्थानों पर होने वाली गतिविधियां आसपास के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनती हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए और आबादी के बीच संचालित हो रहे गेस्ट हाउसों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ऐसे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को रिहायशी क्षेत्रों से दूर स्थापित किया जाए, ताकि सामाजिक वातावरण सुरक्षित और संतुलित बना रहे।

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो नियमानुसार जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि स्थानीय लोगों की इस मांग पर प्रशासन कितनी तेजी से कदम उठाता है।

कार की टक्कर के बाद युवक से मारपीट, सादे स्टाम्प पर जबरन अंगूठा लगवाने का आरोप

दैनिक बुलंद मंज़िल
सैद नगली ब्यूरो। थाना क्षेत्र में कार की टक्कर के बाद मारपीट और जबरन सादे स्टाम्प पर अंगूठा लगवाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में सम्भल जनपद के थाना नखासा क्षेत्र निवासी प्रार्थी शहीर पुत्र कैसर नवाज की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
पीड़ित के अनुसार, घटना बीते 13 मार्च की रात करीब 12:30 बजे की है, जब वह अपने भाई मौ. शिबली के साथ कार से दिल्ली जा रहा था। जैसे ही उनकी गाड़ी नगली क्षेत्र के पास पहुंची तो पीछे से आ रही कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी की हेडलाइट समेत अन्य हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।
शिकायत में बताया गया है कि जब प्रार्थी और उसका भाई कार से उतरकर नुकसान देखने लगे, तो दूसरी कार में सवार माईकल उर्फ सुहैल, सउद, शाह फहद समेत दो अज्ञात व्यक्ति भी बाहर आ गए। प्रार्थी द्वारा टक्कर का कारण पूछने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सभी ने मिलकर प्रार्थी और उसके भाई के साथ लात-घूंसों से मारपीट की।
आरोप है कि इसी दौरान शाह फहद ने अपने साथी सउद से सादा स्टाम्प लाने को कहा और प्रार्थी को जान से मारने की धमकी देकर उस पर जबरन बाएं हाथ का अंगूठा लगवा लिया। पीड़ित के अनुसार, घटना के दौरान उसके भाई ने पुलिस को कॉल करने की कोशिश की, लेकिन घबराहट में गलत नंबर डायल हो गया। पीड़ितों की चीख-पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे राहगीरों ने हस्तक्षेप कर उन्हें बचाया। मारपीट में प्रार्थी के गले, कमर और सीने में चोटें आई हैं, वहीं दोनों भाइयों के कपड़े भी फट गए। आरोप है कि आरोपी जाते समय भविष्य में जान से मारने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर फरार हो गए।
प्रार्थी का यह भी कहना है कि उक्त आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। घटना के बाद वह तत्काल थाने पहुंचा, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई।
पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय वन भूमि पर अवैध कब्जे की कोशिश, 6 नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल
रहरा ब्यूरो। थाना क्षेत्र में राजकीय वन भूमि पर अवैध कब्जा करने की कोशिश का मामला सामने आया है। वन विभाग की तहरीर पर पुलिस ने 6 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्रीय वनाधिकारी हसनपुर के निर्देशन में वन विभाग को शुक्रवार को दोपहर लगभग 12:30 बजे सूचना मिली कि हैदलपुर वन ब्लाक की राजकीय वन भूमि पर कुछ लोग कब्जा करने के उद्देश्य से खेत की जुताई कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई।
टीम में वनरक्षक मौ0 नईम के साथ सतपाल, खानचन्द्र, बलवा सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। टीम जब ग्राम हैदलपुर के सामने बंधा से गंगा नदी की ओर जाने वाले मार्ग पर लगभग 1200 मीटर आगे सिद्ध बाबा घाट के पास पहुंची, तो वहां कुछ लोग ट्रैक्टर और रोटावेटर से करीब 25 बीघा वन भूमि की जुताई कर फसल बोने की तैयारी करते मिले।
वन विभाग की टीम को अपनी ओर आता देख आरोपी मौके से ट्रैक्टर और उपकरणों सहित गंगा नदी की दिशा में फरार हो गए। मौके पर जांच में पता चला कि उक्त भूमि पूर्व में तहसीलदार हसनपुर के आदेश के तहत 28 जनवरी 2026 को हुई संयुक्त पैमाइश में वन विभाग की भूमि के रूप में चिन्हित की जा चुकी है।
वन विभाग के अनुसार, नामजद अभियुक्तों ओमप्रकाश, प्रमोद, वेदराम, विजय सिंह, पुष्पेन्द्र (सभी निवासी ग्राम पथरा) तथा गजेन्द्र (निवासी हैदलपुर) द्वारा जानबूझकर वन भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया गया है। यह कृत्य भारतीय वन अधिनियम 1927 की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन है।
वन विभाग की तहरीर के आधार पर थाना रहरा पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।
इस घटना के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसे मामलों में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

धमकी से मौत तक: चमन केस में बड़ा खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
आदमपुर ब्यूरो। थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोर चमन की संदिग्ध मौत का मामला अब गंभीर मोड़ ले चुका है। इस घटना ने जहां गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया, वहीं पुलिस ने भी तेजी दिखाते हुए मुख्य आरोपी समेत एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार, थाना रहरा क्षेत्र के गांव रेहरई निवासी चमन का शव बृहस्पतिवार देर रात करीब 10 बजे आदमपुर में रावण दहन स्थल के पास एक पेड़ पर लटका हुआ मिला था। अचानक हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई थी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। शुरूआत में ही परिजनों गांव निवासी दो युवकों पर हत्या कर फांसी के फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया था, परिजनों का आरोप है कि गांव के ही आकाश और उसके एक साथी द्वारा चमन को लगातार धमकाया जा रहा था। उसे बदनाम करने की बात कहकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिससे वह भय और तनाव में आ गया। इसी मानसिक दबाव के चलते चमन ने आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों की तहरीर में यह भी कहा गया कि अगर समय रहते आरोपियों पर कार्रवाई होती, तो शायद चमन की जान बचाई जा सकती थी।
तहरीर के आधार पर थाना आदमपुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाने) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई और आरोपियों की तलाश में अभियान चलाया गया। पुलिस की सक्रियता का नतीजा रहा कि नामजद मुख्य आरोपी आकाश निवासी ग्राम रेहरई और एक बाल अपचारी को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया गया। बाल अपचारी की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
इस घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोग आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जा सके और दोषियों को सख्त सजा मिल सके।

शिकायत करना पड़ा भारी: महिला के साथ मारपीट, दी जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा ब्यूरो। नगर क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना अमरोहा नगर क्षेत्र के मोहल्ला कुरैशी स्थित छत्री वाला बाग की निवासी जहा आरा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि बीते 27 मार्च को दोपहर करीब 2:30 बजे उनका पोता गली नंबर-06 में उनके पुत्र सलमान के घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान बच्चों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। पीड़िता का आरोप है कि जब वह बच्चों के झगड़े की शिकायत लेकर वाण्डी पुत्र सूफी गुलजार के घर पहुंचीं, तो वहां पहले से मौजूद वाण्डी, अरमान, फरमान और अंजुम ने उनके साथ अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। महिला के अनुसार, आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह महिला को आरोपियों से बचाया। आरोप है कि जाते-जाते आरोपियों ने महिला को धमकी दी कि अगर वह दोबारा उनके घर शिकायत करने आईं तो उसे जान से मार देंगे। घटना के बाद पीड़िता ने थाना अमरोहा नगर पहुंचकर लिखित तहरीर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भाकियू बी.आर. अंबेडकर का निजी स्कूलों के खिलाफ प्रदर्शन, अवैध वसूली पर कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल
हसनपुर। तहसील क्षेत्र में निजी स्कूलों द्वारा पुस्तकों, यूनिफॉर्म और फीस के नाम पर कथित अवैध वसूली के विरोध में शनिवार को तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (बी.आर. अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।
ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि क्षेत्र के कई निजी विद्यालय और कुछ चुनिंदा पुस्तक विक्रेता मिलकर अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। यूनियन का कहना है कि सस्ती एनसीईआरटी पुस्तकों के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें जबरन लागू की जा रही हैं। साथ ही अभिभावकों को विद्यालयों द्वारा निर्धारित दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। दिग्विजय भाटी ने बताया कि इन दुकानों पर 50 से 60 प्रतिशत तक अधिक कीमत वसूली जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हर वर्ष बिना किसी शैक्षणिक आवश्यकता के किताबें बदल दी जाती हैं, जिससे विद्यालय प्रबंधन को आर्थिक लाभ पहुंचता है। विरोध करने पर छात्रों और अभिभावकों के साथ दुर्व्यवहार और प्रताड़ना के भी आरोप लगाए गए, जिसे शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन बताया गया। यूनियन ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी स्कूलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और अभिभावकों से वसूली गई अतिरिक्त धनराशि वापस कराई जाए। भाटी ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस दौरान सोनू गुर्जर, कुलदीप भारती, मेवाराम खड़कवंशी, सूरजपाल, जफर राजा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद

एसपी के तेवर सख्त, माफियाओं पर शिकंजा कसने के निर्देश

औचक जांच से हिला थाना तंत्र, हर व्यवस्था की हुई पड़ताल

दैनिक बुलंद मंज़िल
नौगांवा सादात ब्यूरो। नवागत पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने शनिवार को थाना नौगांवा सादात का आकस्मिक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था की हकीकत परखी और कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय के अभिलेख, पीआरवी रूट चार्ट, अपराध रजिस्टर, ड्यूटी रजिस्टर, हवालात, मालखाना, थाना परिसर, साइबर सेल, मिशन शक्ति केन्द्र तथा सीसीटीवी कंट्रोल रूम का गहन निरीक्षण किया। एसपी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम में पहुंचकर कैमरों की लाइव फीड चेक की और निर्देश दिए कि सभी प्रमुख तिराहों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि अपराधों की निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके। उन्होंने त्योहार रजिस्टर और अन्य अभिलेखों का भी अवलोकन कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में खड़े माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। एसपी ने टॉप-10 अपराधियों की सूची की समीक्षा करते हुए उनके विरुद्ध और अधिक प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शराब, खनन, पशु एवं वन माफियाओं पर कठोर कार्रवाई करने और गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मामलों की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने हिस्ट्रीशीटरों की नियमित चेकिंग करने और फ्लाई शीट में प्रविष्टियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। महिला संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर लेकर निष्पक्ष, त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण करते हुए एसपी ने महिलाओं को जागरूक करने के लिए अधिकाधिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। अंत में एसपी ने थाना परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, आम जनता के बैठने, स्वच्छ पेयजल एवं प्रसाधन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा वृक्षारोपण अभियान चलाकर थाने को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के निर्देश दिए।

आम के बाग में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हत्या का आरोप: थाने पर परिजनों का हंगामा

मृतक काविन्द्र का फाइल फोटो

परिजन व ग्रामीणों को शांत कराते हुए पुलिस क्षेत्राधिकार पंकज कुमार त्यागी

दैनिक बुलंद मंज़िल
सैद नगली। थाना क्षेत्र के गांव पंडका में 24 वर्षीय युवक काविन्द्र पुत्र कल्लू सिंह का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। परिजनों ने गांव के ही दो सगे भाइयों पर हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है।
परिजनों के अनुसार, काविन्द्र शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे घर पर मौजूद था। आरोप है कि गांव निवासी अरुण और अरविन्द, जो मेघराज सिंह के पुत्र हैं, उसे किसी काम का बहाना बनाकर अपने साथ ले गए थे। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी। शाम के समय गांव के पास स्थित आम के बाग में काविन्द्र का शव पेड़ से लटका मिला, जिसे देखकर परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, शनिवार दोपहर तक मुकदमा दर्ज नहीं होने से नाराज परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा। बड़ी संख्या में लोग शव को लेकर थाने पहुंच गए और नामजद आरोपियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा करने लगे।
हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी सहित आसपास के थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने मृतक के भाई परवीन्द्र की तहरीर पर पुलिस को लिखित शिकायत दी।
परिजनों का कहना है कि काविन्द्र पुलिस में भर्ती होने की तैयारी कर रहा था और उसका किसी से कोई विवाद नहीं था। ऐसे में उसकी मौत को वे हत्या मान रहे हैं।
थानाध्यक्ष सैदनंगली विकास सहरावत ने बताया कि तहरीर के आधार पर गांव निवासी अरुण और अरविन्द के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) और 238 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का दिल्ली कूच, रामलीला मैदान में जुटेंगे हजारों शिक्षक

दैनिक बुलंद मंज़िल
हसनपुर ब्यूरो। टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में देशभर के शिक्षक एकजुट होकर राजधानी दिल्ली की ओर कूच कर रहे हैं। शनिवार को टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भाग लेने के लिए जनपद अमरोहा से भी बड़ी संख्या में शिक्षक रवाना हुए।

गंगेश्वरी ब्लॉक से सैकड़ों शिक्षक एक दिन का अवकाश लेकर दिल्ली पहुंचे। इस दौरान शिक्षकों में सरकार के फैसले के प्रति गहरा आक्रोश देखने को मिला। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव यशपाल सिंह के नेतृत्व में जिले से हजारों शिक्षक प्रदर्शन में शामिल होने के लिए निकले। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना पूरी तरह असंवैधानिक है और इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने भी इस निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि यह शिक्षकों के अधिकारों का हनन है। उन्होंने चेतावनी दी कि शिक्षकों के हितों के खिलाफ किसी भी ह्लतुगलकी फरमानह्व को लागू नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की गई।

शिक्षकों का कहना है कि यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है और वे आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं। रामलीला मैदान में आयोजित इस धरना-प्रदर्शन में देशभर से हजारों शिक्षक जुटकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।इस अवसर पर जिला मंत्री जगवीर सिंह, महताबुद्दीन, देवेंद्र शर्मा, संजय सिंह, जयवीर सिंह, चंद्रपाल सिंह सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस: फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल
मंडी धनौरा ब्यूरो। तहसील धनौरा परिसर में आयोजित ह्लसम्पूर्ण समाधान दिवसह्व के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने भूमि विवाद, पुलिस संबंधित प्रकरण, राजस्व समस्याएं, पेंशन, आवास व अन्य जनहित के मुद्दे अधिकारियों के समक्ष रखे। अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखें तथा मौके पर जाकर जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही लंबित मामलों की समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए।

कार्यक्रम में मौजूद अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भी फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिला, जिससे उन्हें राहत महसूस

ट्रैक्टर फंसने के डर से घर से निकला किशोर लापता, चार दिन से लापता

दैनिक बुलंद मंज़िल
रहरा ब्यूरो। थाना क्षेत्र से एक 13 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है, जिससे परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पौरारा निवासी राजेन्द्र पुत्र तोलाराम ने थाना रहरा में तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र सुजीत दिनांक 30 मार्च को स्कूल से घर आने के बाद करीब 3 बजे ट्रैक्टर लेकर जंगल की ओर चला गया था।

बताया गया कि जंगल में ट्रैक्टर फंस जाने के कारण उसके अगले पहिए का एक्सिल टूट गया। इस घटना के बाद घर में डांट-फटकार के डर से किशोर ट्रैक्टर को वहीं छोड़कर कहीं चला गया। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारियों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन आज तक उसका कोई सुराग हाथ नहीं लग सका।

प्रार्थी के अनुसार लापता किशोर का रंग गोरा, कद करीब 5 फीट, उम्र लगभग 13 वर्ष है। वह सफेद शर्ट, नीली पैंट और पैरों में चप्पल पहने हुए था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना रहरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया है और किशोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है और जल्द ही किशोर को सकुशल बरामद करने का प्रयास कर रही है।

ओवरटेक को लेकर विवाद, चार हमलावरों ने युवक को किया लहूलुहान, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल
नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना क्षेत्र के गांव शिकरिया में सड़क पर हुए मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे सिर में गहरी चोट लगने के कारण बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कस्बा नई बस्ती निवासी फैसल पुत्र सुलेमान अंसारी ने थाना नौगांवा सादात में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने भाई साहिल के साथ अपनी कार से गांव गोहावर से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी गांव शिकरिया के पुल पर पहुंची, पीछे से आ रही एक पिकअप गाड़ी के चालक ने बिना किसी संकेत के अचानक तेज गति से वाहन मोड़ दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई।

आरोप है कि पिकअप गाड़ी में सवार चालक समेत चार लोग वाहन से उतर आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने एक राय होकर हमला कर दिया। बताया गया कि आरोपियों ने गाड़ी से लाठी-डंडे और लोहे की रॉड निकालकर साहिल को घेर लिया और जान से मारने की नीयत से उस पर ताबड़तोड़ वार किए।

हमले में साहिल को गंभीर चोटें आईं, विशेष रूप से उसके सिर पर गहरी चोट लगने से वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

पीड़ित फैसल ने अपनी तहरीर में नदीम, अफजल, मंसूर और गुलजार निवासी ग्राम शिकरिया को नामजद करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना नौगांवा सादात पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खुशियों की खरीदारी बनी हादसा, शादी से पहले युवक गंभीर घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल
दढियाल ब्यूरो। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव गुरेठा खादर निवासी तिरथपाल पुत्र स्वर्गीय शीशपाल शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गया। वह अपनी शादी की तैयारियों के सिलसिले में बाइक से आदमपुर जा रहा था। उसकी शादी 26 अप्रैल को तय है और घर में खुशियों का माहौल था, जो इस हादसे के बाद चिंता में बदल गया।

हादसा अलीगढ़ मार्ग से आदमपुर मार्ग पर स्थित फौजी भट्टे के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तिरथपाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची डायल 112 टीम ने घायल को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उसे गंभीर चोटें आई हैं और उपचार जारी है। परिजनों के मुताबिक, शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। वहीं, थाना पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खामोशी में गुम हुआ बचपन: मूकबधिर बालक लापता, मदद की गुहार

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा। जिला सूचना विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हरियाणा के कुरुक्षेत्र जनपद स्थित बाल देखरेख संस्थान लाड़वा में रह रहा एक मूकबधिर बालक लापता हो गया है। इस घटना के बाद संबंधित संस्थान और प्रशासन में हड़कंप मच गया है तथा बालक की तलाश के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकारी अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि बालक के अचानक लापता होने से चिंता बढ़ गई है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि बालक की तलाश में सहयोग करें और यदि किसी व्यक्ति को उसके संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त हो, तो तुरंत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को सूचित करें।

उन्होंने कहा कि एक मूकबधिर बालक के लिए इस तरह का लापता होना बेहद संवेदनशील मामला है, इसलिए सभी नागरिकों की जिम्मेदारी बनती है कि सतर्क रहें और आसपास संदिग्ध परिस्थितियों पर नजर रखें। प्रशासन द्वारा बालक की सकुशल बरामदगी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

जिला प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए बालक को जल्द से जल्द खोज निकालने में मदद करने की अपील की है।

पुलिस की चौकसी से टली वारदात, दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
रहरा ब्यूरो। जनपद में अपराध नियंत्रण के तहत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रहरा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं उच्च अधिकारियों के निकट पर्यवेक्षण में कार्यवाही करते हुए मिशन शक्ति टीम व थाना रहरा पुलिस ने संज्ञेय अपराध की परिकल्पना करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में राजेन्द्र पुत्र गंगाशरण तथा गोविन्द पुत्र कैलाश, दोनों निवासी ग्राम रहरा, थाना रहरा, जनपद अमरोहा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी किसी संज्ञेय अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें धर दबोचा।

गिरफ्तारी के बाद दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी करने के उपरांत आरोपियों को एसडीएम कोर्ट हसनपुर भेज दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अपराधियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है, जिससे किसी भी आपराधिक घटना को समय रहते रोका जा सके।

फरियादियों की भीड़ में एक्शन मोड में दिखे एसपी, टीमों को मौके पर भेजा

दैनिक बुलंद मंज़िल
नौगांवा सादात। तहसील नौगांवा सादात में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने जन शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आपसी झगड़े और अन्य राजस्व व पुलिस से जुड़े मामले प्रमुख रहे।

पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए। उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर जाकर जांच करने तथा समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि आम जनता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए मौके पर ही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाए। इस दौरान अधिकारियों को चेतावनी भी दी गई कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिससे उन्हें त्वरित समाधान की उम्मीद जगी। इस मौके पर तहसील व पुलिस प्रशासन के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति-5 के तहत छात्राओं को किया जागरूक, हेल्पलाइन नंबरों व साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

दैनिक बुलंद मंजिल
हसनपुर। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत कोतवाली हसनपुर की शक्ति दीदी टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर एवं ग्राम शाहपुर कलां में छात्र-छात्राओं को सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम के दौरान शक्ति दीदी टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090, 112, 181 आदि के बारे में विस्तार से बताया और जरूरत पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी प्रकाश डाला गया। टीम ने बताया कि सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करें, किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक न करें और अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इसके अलावा सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सतर्क और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया गया। अभियान के अंत में टीम द्वारा जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए, ताकि छात्र-छात्राएं इन जानकारियों को याद रख सकें और जरूरत पड़ने पर दूसरों को भी जागरूक कर सकें। इस पहल की छात्राओं एवं शिक्षकों ने सराहना की

अमरोहा पुलिस की प्रभावी पैरवी से चोरी के आरोपी को 4 साल की सजा

दैनिक बुलंद मंज़िल
सर्वेश यादव अमरोहा। पुलिस द्वारा की गई प्रभावी पैरवी के चलते चोरी के एक मामले में आरोपी को न्यायालय द्वारा कठोर सजा सुनाई गई है। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और न्यायिक प्रक्रिया में मजबूत प्रस्तुति का परिणाम मानी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सैदनगली पर वर्ष 2023 में पंजीकृत मु0अ0सं0 176/2023 धारा 411 एवं 414 भादवि से संबंधित मामले में आरोपी दीपक पुत्र मंगलसेन निवासी ग्राम फूलपुर बीजनपुर, थाना हसनपुर, जनपद अमरोहा के विरुद्ध सुनवाई चल रही थी। मामले में पुलिस द्वारा साक्ष्यों का सशक्त संकलन एवं न्यायालय में प्रभावी ढंग से पैरवी की गई। इसी क्रम में शनिवार को न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 04 वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई। साथ ही आरोपी पर कुल 1,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय के इस निर्णय से पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने के साथ-साथ अपराधियों में कानून का भय भी बढ़ेगा। अमरोहा पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस द्वारा प्रत्येक मामले में मजबूत पैरवी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि अपराधियों को समयबद्ध तरीके से सजा दिलाई जा सके और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार किसान की मौत, भाई घायल

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। थाना क्षेत्र के खरसौल गांव में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में दूध देकर जा रहे बाइक पर सवार एक भाई की मौत हो गई। साथ ही दूसरा भाई घायल है।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक सैफनी थाना क्षेत्र के मधुपुरी गांव के डेरा निवासी 50 वर्षीय चौधरी गुरवेन्द्र चौधरी उर्फ कुक्कू और उनका भाई गुरदीप सिंह पुत्र गुरु प्रसाद शनिवार की सुबह 10 बजे के समय दोनों भाई बाइक से सागरपुर गांव में डेयरी पर दूध देकर किसी काम से खरसौल गांव गए थे इस दौरान बाइक गुरवेन्द्र सिंह चला रहे थे। बताया गया कि जैसे ही वह खरसौल गांव के बस स्टैंड पर पहुंचे तभी अचानक उनकी बाइक पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गई।

जिससे गुरवेंद्र चौधरी उर्फ कुक्कू के सिर पर ट्रक का पहिया चढ़ने से उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाईक पर पीछे बैठे उनके भाई गुरदीप सिंह घायल हो गए मौके पर जमा हुई भीड़ ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेज कर मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया अचानक हुई मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

तहसील सदर पहुंचे जिलाधिकारी संग पुलिस अधीक्षक सुनी जनसमस्याएं

दैनिक बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

रामपुर । जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी संग रामपुर पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याओं/ शिकायतों को सुना गया, जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक आदेश-निर्देश दिये गये । इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे । बताते चलें कि पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि जनसामान्य की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके ।

रामपुर पुलिस अधीक्षकर ने किया गया थाना केमरी का औचक निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंजिल

रामपुर । शनिवार को पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना , रामपुर द्वारा थाना केमरी का औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय पर बने अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर, फ्लाई शीट आदि का निरीक्षण कर उनमें अंकित की जाने वाली प्रवष्टियों एवं साफ सफाई को चैक किया गया । साथ ही थाना परिसर में बने मालखाना, कम्प्यूटर कक्ष, हवालात, भोजनालय आदि की साफ-सफाई का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को शालीनता से सुनकर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए ।

शाहबाद पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन की हुई मासिक बैठक

दैनिक बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर । शनिवार को शाहबाद में पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। शाहबाद पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड की मासिक बैठक संगठन के नए कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में दो नए सदस्यों शावेज खां और तालिब खां ने संगठन की सदस्यता ली, साथ ही साथ वरिष्ठ पत्रकार सखावत अली ने संगठन में घर वापसी करते हुए दोबारा से शामिल हुए।

सी डी ओ ने सुनी संपूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याएं

दैनिक बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। जनपद रामपुर की तहसील शाहबाद में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता सीडीओ गुलाब चंद्र ने की। सीडीओ गुलाब चंद्र ने लोगो की जनसमस्याओं को सुनते हुए उनके तुरंत निस्तारण के निर्देश दिए। बताते चलें कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 15 शिकायती पत्र आए जिनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि बाकि शिकायतों को निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। सीडीओ गुलाब चंद्र ने निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी लोगों की जनसमस्याएं को गंभीरता से लेते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण समय से निस्तारण करें। इस दौरान एसडीएम आशुतोष कुमार,

बीडीओ धीरेन्द्र सिंह चौहान, नायब तहसीलदार हरीश जोशी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ मोहित रस्तोगी, पूर्ति निरीक्षक किशन लाल समेत सभी विभागों से अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा का तीसरा दिनः भागवत से होता है मानव को कर्तव्यबोध : पंडित गोविन्द आचार्य

दैनिक बुलंद मंजिल /सिंहराज सागर

सैफनी। सैफनी नगर के जनता इंटर कॉलेज के मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन शनिवार को कथा व्यास स्वामी गोविन्द आचार्य ने कहा कि मनुष्यों का क्या कर्तव्य है इसका बोध भागवत सुनकर ही होता है। विडंबना ये है कि मृत्यु निश्चित होने के बाद भी हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं। निस्काम भाव से प्रभु का स्मरण करने वाले लोग अपना जन्म और मरण दोनों सुधार लेते हैं।कथा व्यास ने कहा कि प्रभु जब अवतार लेते हैं तो माया के साथ आते हैं। साधारण मनुष्य माया को शाश्वत मान लेता है और अपने शरीर को प्रधान मान लेता है। जबकि शरीर नश्वर है। उन्होंने कहा कि भागवत बताता है कि कर्म ऐसा करो जो निस्काम हो वहीं सच्ची भक्ति है। इस अवसर पर

राकेश जोशी, मुकेश गुप्ता, नरेश शर्मा, पंकज शर्मा, शोभित शर्मा, विष्णु गुप्ता, सुशील फौजी, टिंकू जोशी, ठाकुर यशपाल सिंह, संजय रस्तोगी, जितेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रीचार्ज नहीं तो बिजली नहीं, पांच रटर इग्नोर किए तो अंधेरे में डूबेगा घर, स्मार्ट मीटर का अलर्ट, 7 लाख कनेक्शन होंगे प्रीपेड

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। अब बिजली सिर्फ स्विच से नहीं, मोबाइल के मैसेज से चलेगी। शहर में तेजी से लगाए जा रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए नई चुनौती और नई व्यवस्था लेकर आए हैं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम साफ कह चुका है कि पांच बार रटर अलर्ट के बाद भी रीचार्ज नहीं किया तो बिना सूचना बिजली कट जाएगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बैलेंस की स्थिति पर 5 बार रटर अलर्ट भेजता है।

बैलेंस कम होने पर पहला मैसेज

बैलेंस और घटने पर दूसरा

30% और फिर 10% बचने पर तीसरा-चौथा

बैलेंस जीरो या निगेटिव होते ही आखिरी चेतावनी

इसके बाद भी तीन दिन में रीचार्ज नहीं कराया तो सीधे कनेक्शन कट जाएगा।

डेढ़ लाख मीटर लग चुके, अब 7 लाख की बारी, पूरा शहर होगा प्रीपेड

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली में अब तक करीब 1.5 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। विभाग की योजना है कि अगले एक साल में बाकी 7 लाख पुराने पोस्टपेड मीटर भी स्मार्ट मीटर में बदल दिए जाएंगे। अब नया बिजली कनेक्शन लेने पर सीधे प्रीपेड स्मार्ट मीटर ही लगाया जा रहा है। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने साफ कहा कि उपभोक्ता रटर को नजरअंदाज न करें, समय पर रीचार्ज कराएं, वरना बिजली कटना तय है। उन्होंने बताया कि पोस्टपेड मीटर को भी जल्द ही सर्वर के जरिए प्रीपेड मोड में बदला जाएगा, जिसकी सूचना पहले ही रटर से दी जाएगी।

मोबाइल नंबर अपडेट नहीं तो नहीं मिलेगा अलर्ट

कई उपभोक्ताओं की शिकायत सामने आई कि उन्हें रटर नहीं मिल रहा। जांच में पता चला कि

पुराने या बंद मोबाइल नंबर सिस्टम में दर्ज हैं।

ऐसे में उपभोक्ता तुरंत अपना नंबर वढढउछ की वेबसाइट (४स्त्रस्त्रू'.ङ्क्षट्ट.ल्ल) पर जाकर अपडेट कर सकते हैं, वरना बिना जानकारी के बिजली कट सकती है।

रीचार्ज करते ही आधे घंटे में बिजली चालू, नहीं लगेगा कोई चार्ज

स्मार्ट मीटर की सबसे बड़ी राहत यह है कि रीचार्ज के 30 मिनट के भीतर बिजली स्वतः चालू हो जाएगी। कोई फछऊ (रीकनेक्शन चार्ज) नहीं देना होगा

यानी अब लाइनमैन के इंतजार की झंझट खत्म, लेकिन रीचार्ज में देरी की कोई गुंजाइश नहीं।

एजुकेशन सिंडिकेट, फीस की लूट, ड्रेस-किताब में कमीशन, एडमिशन से पहले ही अभिभावकों पर हजारों का हमला, सिस्टम खामोश

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। शिक्षा के नाम पर शहर में खुला खेल जारी है और इसकी सीधी मार अभिभावकों की जेब पर पड़ रही है। निजी स्कूलों ने न सिर्फ फीस में मनमानी बढ़ोतरी कर दी है, बल्कि ड्रेस और किताबों के नाम पर भी मोटा कमीशन खेल चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी मूकदर्शक बना हुआ है, जबकि निजी स्कूलों के संगठन पूरे सिस्टम पर भारी पड़ते दिख रहे हैं।

स्कूल की दहलीज पर ही ह्यवसूली शुरूङ्घ फॉर्म से एडमिशन तक जेब ढीली

नए सत्र में स्कूल पहुंचते ही अभिभावकों से रजिस्ट्रेशन फॉर्मः 2,500 से 4,000 रुपये एडमिशन फीसः 25 हजार से 90 हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इसके बावजूद एडमिशन की कोई गारंटी नहीं है। यानी पैसा भी गया और अनिश्चितता भी बनी रही।

फीस में 10 प्रतिशत , 16 प्रतिशत तक बढ़ोतरीङ्घ नियमों की खुली धज्जियां

नियम कहता है कि स्कूल सालभर में 10 प्रतिशत से ज्यादा फीस नहीं बढ़ा सकते, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। पीलीभीत रोड निवासी दिवाकर बताते हैं कि पिछले साल 19,500 रुपये (तीन माह) फीस थी, इस साल वही बढ़कर 21,650 रुपये हो गई। एडमिशन फीस 30 हजार से बढ़कर 35 हजार यानी मासिक फीस में 11 प्रतिशत और एडमिशन में 16 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।

ड्रेस-किताब में सेटिंग चुनिंदा दुकानों पर मजबूरी, मोटा कमीशन खेल

सबसे बड़ा खेल यहीं हो रहा है कि स्कूल हर साल ड्रेस बदल देते हैं, और किताबें भी केवल चुनिंदा दुकानों पर ही उपलब्ध होती हैं। अभिभावकों का आरोप है कि बाजार में सस्ती ड्रेस/किताबें नहीं खरीद सकते हैं। स्कूल द्वारा तय दुकानों से ही खरीदना मजबूरी है। पीछे से कमीशन का बड़ा खेल यानी शिक्षा के साथ-साथ अब स्कूल मार्केटिंग सिंडिकेट भी सक्रिय है।

फीस नहीं तो सजाङ्घ बच्चों का भविष्य तक दांव पर

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि फीस लेट होने पर बच्चों को प्रताड़ित किया जा रहा दस्तावेज और बोर्ड एडमिट कार्ड तक रोके जा रहे। हाल ही में एक स्कूल ने 12वीं के छात्रों का भविष्य सिर्फ इसलिए रोक दिया क्योंकि फीस बकाया थी। इससे बच्चों में हीन भावना और मानसिक दबाव बढ़ रहा है।

शिकायत नहीं तो कार्रवाई नहींङ्घ जिम्मेदारों की आंखें बंद

शिक्षा विभाग का दावा है कि शिकायत मिलने पर कार्रवाई होगी, लेकिन सवाल यह है कि

जब समस्या पूरे शहर की है तो शिकायत का इंतजार क्यों? जेडी राकेश कुमार का कहना है कि अभी तक कोई शिकायत नहीं आई, जबकि अभिभावक संघ खुलकर कह रहा है कि फीस बढ़ोतरी की जरूरत का आकलन तक नहीं हो रहा, समिति की बैठकें भी नहीं हो रहीं।

सिस्टम पर भारी स्कूल लॉबी, अभिभावक बेबस

असल तस्वीर यह है कि निजी स्कूलों के संगठन इतने मजबूत हो चुके हैं कि प्रशासनिक सिस्टम भी दबाव में नजर आ रहा है। नतीजा अभिभावक हर साल फीस, ड्रेस, किताब और फॉर्म के नाम पर कटते जा रहे हैं, लेकिन राहत की कोई उम्मीद नहीं।

मिनी बाईपास से किला तक अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, सामान जब्त, 70 हजार जुमार्ना वसूला

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। शहर की सड़कों और फुटपाथों पर कब्जा जमाकर बैठे अतिक्रमणकारियों पर शनिवार को नगर निगम ने बड़ा प्रहार किया। नगर आयुक्त के निर्देश पर चली इस कार्रवाई में मिनी बाइपास और किला क्षेत्र में बुलडोजर गरजा, अवैध कब्जे हटाए गए और मौके पर ही 70 हजार रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया। नगर निगम की टीम ने सबसे पहले मिनी बाइपास रोड पर कार्रवाई की, जहां सड़क किनारे अवैध रूप से रखी गई पांच ट्रॉली रेता और बजरी को जब्त कर लिया गया। इसके बाद टीम किला क्षेत्र पहुंची, जहां फुटपाथ पर दुकानें सजाकर बैठे लोगों का सामान कब्जे से हटाया गया।

कार्रवाई से मचा हड़कंप, हुई नोकझोंक

औचक कार्रवाई से अवैध कब्जेदारों में हड़कंप मच गया। कई जगहों पर कब्जाधारियों ने टीम का विरोध करते हुए कार्रवाई रुकवाने की कोशिश की, लेकिन प्रवर्तन दल ने सख्ती दिखाते हुए उन्हें मौके से खदेड़ दिया और अभियान जारी रखा। नगर निगम ने कार्रवाई के दौरान मौके पर ही अतिक्रमण करने वालों से कुल 70,000 रुपये का जुमार्ना वसूला। साथ ही चेतावनी दी गई कि दोबारा अतिक्रमण करने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जाम से राहत के लिए सख्ती

दरअसल, शहर के मुख्य मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही थी। आम लोगों को रोजाना जाम से जूझना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए नगर आयुक्त संजीव मौर्य ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने साफ कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नगर निगम ने व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे सड़कों और फुटपाथों पर सामान न रखें, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बरेली पुलिस में बड़ा फेरबदल: कई थानेदारों की कुर्सी बदली, कुछ पावरफुल तो कुछ किनारे

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। जिले की कानून-व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई थाना प्रभारियों के तबादले कर दिए हैं। इस बदलाव में जहां कुछ इंस्पेक्टरों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, वहीं कुछ को उनके पद से हटाकर नई जगह भेजा गया है।

कोतवाली-बारादरी में बड़ा उलटफेर

सबसे अहम बदलाव शहर के प्रमुख थानों में देखने को मिला है। बारादरी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय को अब कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, कोतवाल रहे सुरेश चंद्र गौतम को इज्जतनगर थाने की कमान सौंपी गई है। इज्जतनगर के प्रभारी रहे विजेंद्र सिंह को बारादरी थाना प्रभारी बनाकर नई जिम्मेदारी दी गई है।

क्राइम ब्रांच और कैंट में नई तैनाती

क्राइम ब्रांच से संजय कुमार धीर को कैंट थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, कैंट के प्रभारी रहे राजेश कुमार को क्राइम ब्रांच इन्वेस्टिगेशन विंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शीशगढ़ थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह को साइबर सेल में भेजा गया है, जिससे साइबर अपराधों पर शिकंजा कसने की तैयारी दिख रही है। सुभाषनगर-शीशगढ़ में भी बदलाव

सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह को शीशगढ़ का नया प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सुभाषनगर थाने में इंस्पेक्टर क्राइम के पद पर तैनात सतीश कुमार को उसी थाने का इंस्पेक्टर बनाकर जिम्मेदारी दी गई है।

दो थानेदार हटे, नए चेहरों की एंट्री

किला थाना प्रभारी सुभाष कुमार और भमोरा थाना प्रभारी सनी चौधरी को कार्यकाल पूरा होने और दूसरे जिले में स्थानांतरण के चलते हटा दिया गया है। उनकी जगह नए अधिकारियों को तैनात किया गया है।

बहेड़ी, किला, भमोरा में नई कमान

एएचटीयू प्रभारी संतोष कुमार सिंह को किला थाना प्रभारी बनाया गया है। बहेड़ी इंस्पेक्टर पवन कुमार को भमोरा थाना प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। वहीं, साइबर थाने के प्रभारी दिनेश शर्मा को बहेड़ी थाने की कमान सौंपी गई है। एएचटीयू में दरोगा मनोज कुमार चतुर्वेदी को प्रभारी बनाया गया है।

आंवला-बिथरी में भी अदला-बदली

पुलिस लाइन से इंस्पेक्टर बीनू चौधरी को आंवला थाना प्रभारी बनाया गया है। आंवला के प्रभारी कुंवर बहादुर सिंह को साइबर थाना भेजा गया है। राजेश बाबू मिश्रा को विशारतगंज से बिथरी चैनपुर और चंद्रप्रकाश शुक्ला को बिथरी से विशारतगंज थाना प्रभारी बनाया गया है।

कानून व्यवस्था मजबूत करने की कवायद

एसएसपी अनुराग आर्य का यह बड़ा फेरबदल जिले की कानून व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। नए तैनात अधिकारियों से बेहतर पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण की उम्मीद जताई जा रही है।

अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर स्वास्थ्य विभाग का छापा, बिना कागजों के चल रहा सेंटर सील, अब इनकी बारी

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। जिले में अवैध रूप से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर स्वास्थ्य डीएम अविनाश सिंह और सीएमओ विश्राम सिंह के निर्देश पर पहुंची टीम ने शहर और देहात के कई अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच की। इस कार्रवाई से संचालकों में हड़कंप मच गया। बिना पंजीकरण के चल रहा था सेंटर, तत्काल किया सील

डिप्टी सीएमओ डॉ लईक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बहेड़ी क्षेत्र में स्थित हिंद अल्ट्रासाउंड सेंटर पर बड़ी लापरवाही सामने आई। सेंटर संचालक टीम को अपना पंजीकरण प्रमाण पत्र तक नहीं दिखा सके। इस गंभीर अनियमितता पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सेंटर को मौके पर ही सील कर दिया। संचालक को तीन दिन के भीतर सभी जरूरी दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

कई अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच, दो मिले बंद

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुंडरा कोठी स्थित मन्नत अल्ट्रासाउंड, जीवन ज्योति अल्ट्रासाउंड और रिछा क्षेत्र के हर्ष कला अल्ट्रासाउंड सेंटर का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा बहेड़ी क्षेत्र में ग्लोबल, यूनिक, अरोरा, नियाजी और विद्या अल्ट्रासाउंड सेंटर की भी जांच की गई। जांच के दौरान मैक्स अल्ट्रासाउंड और लाइफ लाइन अल्ट्रासाउंड सेंटर बंद मिले, जिस पर टीम ने नाराजगी जताई।

नियम तोड़े तो होगी कड़ी कार्रवाई

अधिकारियों ने सभी सेंटर संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अल्ट्रासाउंड केंद्रों को शासन के नियमों के तहत ही संचालित करना होगा। जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस छापेमारी अभियान में नोडल अधिकारी डॉ. लईक अहमद अंसारी के साथ राहुल शर्मा, राजेश कुमार और विपिन कुमार शामिल रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत साइक्लोथॉन मेगा इवेंट का आयोजन किया गया

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत सीबीगंज क्षेत्र के शांति मौर्य कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के निर्देश के अनुसार साइक्लोथॉन मेगा इवेंट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीबीगंज यूपीएचसी की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु गुप्ता एवं वार्ड 59 नगर निगम के पार्षद राम सिंह पाल द्वारा स्कूली छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया गया। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग से रिंकी सैनी (जिला मिशन कोऑर्डिनेटर) एवं चंचल गंगवार (केंद्र प्रबंधक) द्वारा महिला सुरक्षा हेतु वन स्टॉप सेंटर तथा

टोल फ्री नंबर 181, 112, 1098, 1090, 108, 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के दौरान हरविंदर कौर, शारीन (जेंडर स्पेशलिस्ट), महेश्वरी (प्राचार्य, शांति मौर्य विद्यालय) का सहयोग रहा। साथ ही विद्यालय की छात्राएं एवं ग्राम की किशोरी महिलाएं उपस्थित रहीं। इस आयोजन में इनर व्हील क्लब ऑफ ग्लोरी प्लस के सदस्यों एवं अन्य महिलाओं सरिता, दुर्गेश, जयश्री, राखी मीना, संतोष, सुमन एवं पूनम का भी विशेष सहयोग रहा।

Rinchen Angmo Chumikchan

Warm Winter in Ladakh

An unusually warm winter, combined with uneven snowfall, has marked the 2025-26 season in Ladakh, raising concerns about changing weather patterns in the high-altitude region.

Data from the India Meteorological Department (IMD) shows that Leh and Kargil recorded some of their warmest winters in years, with average temperatures significantly above long-term norms.

Sonam Lotus, director of the IMD in Ladakh, says that over the past eight years (2019-2026), Leh has recorded an average winter temperature of -4.3 degrees Celsius (°C). This winter, however, the average temperature rose to -2.3°C (about 2°C higher than the long-term average) making it the warmest winter in Leh in the period.

A similar pattern was recorded in Kargil. Over the past 14 years, the average winter temperature there has been -4.9°C. This winter, it rose to -1.4°C or around 3.5°C above normal, making it the warmest in Kargil over 2012 to 2026.

Uneven snowfall and shifting signals

Snowfall patterns have also been uneven. According to Lotus, winter in Ladakh spans December to February. Over the past 14 years, Leh has received an average winter snowfall of 15.3 centimetres (cm). This year, however, the region recorded only 4.2 cm (3.3 cm in January and 0.9 cm in February) amounting to just 27.7 per cent of the seasonal average, a deficit of 72 per cent.

In contrast, Kargil recorded above-normal snowfall, largely driven by heavy precipitation in January. The district's average winter snowfall over the past seven years is around 17 cm, but this winter it received 42.2 cm, which is nearly 248 per cent higher than average. Most of this snowfall occurred in January, with February recording only about 2 cm.

"Ladakh is a mountainous cold desert, and winter snowfall is crucial for irrigation, drinking water, agriculture and horticulture," Lotus says. "Although a single year of reduced or excess snowfall cannot be attributed solely to climate change, recurring patterns may indicate a changing climate. Globally, mountain regions are among the most sensitive indicators of climate change."

Farming patterns under pressure

Kunzang Lamo, a scientist at KVK-Leh, SKUAST-K, says fruit-growing patterns in the region are beginning to change. Temperate fruits such as apricot, apple and cherry, which were traditionally grown in lower belts, are now shifting to higher elevations, she says.

Apricots grown in the Sham belt were once known for their quality, but pest infestations have increased in recent years, affecting both apple and apricot crops. "Good-quality apricots are now being grown around Leh city, in areas such as Shey, Thiksey and Phyang," she explains. "Earlier, apricots in these areas often remained unripe. Now farmers are getting better-quality fruit."

These changes are closely linked to winter temperatures. "All temperate fruits require chilling hours, typically between 0°C and 7°C, to break dormancy," she says. "Most varieties need around 500 to 1,500 hours."

> Over the past 14 years, Leh has received an average winter snowfall of 15.3 centimetres. This year, however, the region recorded only 4.2 cm amounting to just 27.7% of the seasonal average, a deficit of 72%.

Traditionally, these chilling hours were met during winter. As winters become warmer, these chilling requirements are not always met. "When that happens, trees may come out of dormancy late or buds break irregularly, affecting production," she says. At the same time, warmer spring temperatures are triggering earlier flowering.

"Our weather has become highly unstable," she adds. "Sudden cold waves can occur, increasing the risk of frost injury, and farmers can lose up to 50 per cent of their production." Over the past two years, yields in the Sham belt have declined significantly, partly because earlier flowering has made crops more vulnerable to frost.

Changing temperatures are also affecting vegetable cultivation. "Warm-season vegetables that were earlier grown in greenhouses are now facing stress even inside these structures," she says. "They suffer flower abortion or fruit drop, reducing production."

At the same time, some crops are benefiting. "Capsicum, brinjal and tomatoes can now be grown in the open in lower belts, which was not possible earlier," she says. "In higher areas, tomatoes now ripen fully, while other vegetables continue to perform well in protected structures."

Beyond crops, the region's water systems are also under strain. Agriculture in Ladakh depends heavily on glacier- and snowmelt-fed streams due to minimal rainfall. Rising temperatures and declining snowfall are accelerating glacier retreat and reducing glacier mass.

As a result, more meltwater is being released during autumn and winter, leading to early discharge. By spring when the irrigation demand is highest, stream flows are often significantly reduced. This creates acute water shortages during the early cropping season.

Adapting to shifting conditions

To cope with changing weather patterns, farmers in Ladakh are increasingly turning to hybrid crop varieties. "Hybrid high-yielding varieties tend to remain more stable in fluctuating environments," says Lamo. "Open-pollinated crops, on the other hand, often face problems such as bolting because of temperature fluctuations during the growing season."

She adds that the focus is now shifting towards climate-resilient crops. "Ladakh does not have plant breeders. We obtain varieties from outside, evaluate them under local conditions, select the best-performing ones and then promote them among farmers."

Temperature variability is also affecting grain production. "In Ladakh, grains are harvested at the beginning of autumn. But when temperatures rise sharply during harvest, crops are forced into early maturity," she explains. "This can result in shrivelled grains, which has been observed in several cases."

At the same time, earlier spring warming is prompting farmers to sow crops sooner. "But because the weather is erratic, cold waves sometimes follow, leading to frost injury and crop damage," she says. "Ideally, sowing or transplanting should be done after May 15, when temperature fluctuations are relatively lower."

Experts say the ecological impacts of warmer winters in Ladakh may not be immediately visible, but could become significant over time. Tsewang Namgail, director of the Snow Leopard Conservancy-India Trust, says cold-adapted species are particularly vulnerable. "The impact of a warmer winter cannot be quantified immediately," he says. "But species such as the snow leopard and the wild yak are adapted to extremely low temperatures, and even slight warming can affect them and lead to physiological stress."

Rising temperatures are also driving broader ecological changes. Warming accelerates glacier melt across the Himalayas, leading to the formation of glacial lakes that may eventually breach and cause flooding in mountain valleys.

Research increasingly shows that species are moving upslope in response to rising temperatures. This shift that may also increase human-wildlife conflict, as animals enter areas where they were rarely seen before and damage crops.

Over time, he adds, new habitats may form in flatter areas, "but along water bodies bordered by rocky terrain, where there is little scope for lateral expansion, these habitats could be lost permanently."

Courtesy: DTE

Flood in the Time of Climate Change

Climate change may lead to more precipitation and more intense floods. A new study shows that to understand the details of this relationship, it is important to distinguish between different types of rainfall and flood events -- namely, between short-term events that occur on a time scale of hours, and longer-term events that last several days. In each case, climate change has a different impact.

An Austrian research team has now shown for the first time that short-term precipitation and flood events on the scale of a few hours are particularly affected by the temperature increase caused by climate change.

For events on a longer time scale, the relationship is more complicated. This finding was made using detailed data collected in Austria over more than a century -- but it can also be applied to other regions of the world.

It also allows conclusions to be drawn about which regions will experience changes in the probability of flooding, and how they will be affected. The results have now been published in the journal Nature.

Climate change is affecting water cycles all over the world. A look at Austria is particularly revealing: "We are in the very fortunate situation of having excellent data available," says Prof. Gunter Bloschl of TU Wien (Vienna), who led the research project. Since 1900, precipitation in Austria has been recorded by two separate institutions: by the meteorological service, now Geosphere Austria, and by the Austrian Hydrography, which is managed by the Ministry of Agriculture. The Austrian data are therefore particularly reliable and can be used to make forecasts for other countries. These data sets have now been analysed in a cooperation of TU Wien, the Federal Ministry of Agriculture, Forestry, Environment and Water Management (BML), GeoSphere Austria and the University of Graz. The analysis showed that short-term precipitation events lasting only a few hours have increased significantly in the last 30-40 years -- by about 15%. "This had already been predicted by climate models, albeit with uncertainties. We have now been able to confirm it," says Gunter Bloschl.

However, if longer-term rainfall events lasting several days are analyzed, a different picture emerges. In that case, global weather phenomena such as El Nino, a climate process influenced by ocean temperatures, play a much more decisive role. Rainfall events on this timescale are therefore not changing everywhere in the same way.

What Delays Climate-resilient Rice

As on date, a farmer could gain Rs 17,540-47,160 per hectare by adopting different groups of climate-resilient rice varieties, yet their adoption remained sporadic and limited. This was what revealed in recent analysis by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR). The returns were the highest for drought-tolerant varieties, followed by aerobic varieties, salinity-tolerant varieties, submergence-tolerant varieties, biotic stress-tolerant varieties and ones that are both drought- and submergence-tolerant. This benefit, the study estimated, was inclusive of mean yield effect and downside risk-reduction during the stress conditions which disproportionately affect smallholders.

The study published by ICAR-National Institute of Agricultural Economics and Policy Research, evaluated 21 climate resilient rice varieties (CRV) being cultivated on around 3.82-million-hectare area (7.9%). Overall, CRVs could generate an economic surplus of more than Rs 2.11 lakh crore by 2030. These gains — equivalent to nearly Rs 10,774 crore annually — stemmed largely from higher and more stable yields. However, despite the availability of nearly 100 climate-resilient rice varieties, only about 10 per cent of India's rice area is currently under such cultivation, pointing to a persistent gap between research output and field-level uptake.

Rice is central to India's food security and rural economy, covering nearly a quarter of the country's cropped area and supporting millions of livelihoods. It accounts for a major share of public procurement and household food consumption, making production stability critical for market prices and inflation.

However, rice cultivation is increasingly exposed to climate stress. Rising temperatures and erratic rainfall are intensifying droughts, floods and heat stress across major growing regions. Under the National Innovations in Climate Resilient Agriculture programme, about 40 per cent of districts have been classified as highly vulnerable to climate change, with large parts of the net sown area prone to drought and flooding. In this context, CRVs, designed to withstand multiple stresses, have been seen as a key adaptation tool, offering higher average yields and greater protection against climate shocks. Drought-tolerant varieties, particularly in Jharkhand and Odisha, accounted for the largest share of projected benefits, with an estimated aggregate surplus of over Rs 1.08 lakh crore up to 2030.

These varieties generated substantial gains for both producers and consumers, while helping stabilise supply and contain price volatility in water-scarce regions. Similarly, submergence-tolerant varieties cultivated in flood-prone regions such as Assam and Odisha were found to generate a potential economic surplus of nearly Rs 79,837 crore up to 2030, equivalent to about Rs 3,842 crore annually. These varieties were capable of surviving up to 14 days under water, allowing crops to recover after flash floods that have become more frequent with changing monsoon patterns.

Courtesy: DTE

What Happens with Too Many Ultra-processed Foods

Ultra-processed foods (UPFs) are industrially altered products - like soda, snacks and processed meats - packed with additives and stripped of nutrients.

Hundreds of new ingredients, previously unknown to the human body, now make up nearly 60% of the average adult's diet and almost 70% of children's diets in the United States.

These products reduce nutritional value, extend shelf life, and tend to increase how much people consume.

In the U.S., UPFs account for about 60% of daily calorie intake. High consumption of these foods has been linked to greater risks of obesity, cancer, metabolic and cardiovascular diseases, mental health issues, and even premature death. New research from Florida Atlantic University's Charles E. Schmidt College of Medicine shows that people who consume the most UPFs have significantly higher levels of high-sensitivity C-reactive protein (hs-CRP), a sensitive marker of inflammation and a strong predictor of cardiovascular disease.

Until now, there have been limited data from nationally representative U.S. populations on the link between UPF intake and hs-CRP levels.

Results of the study, published in The American Journal of Medicine, show that participants consumed a median of 35% of their daily calories from UPFs, ranging from just 0% to 19% in the lowest group to 60% to 79% in the highest.

After accounting for factors like age, gender, smoking, physical activity and other health indicators, researchers found that individuals in the highest UPF intake group (60% to 79% of daily calories) had an 11% higher likelihood of elevated hs-CRP levels compared to those in the lowest intake group.

Even moderate UPF consumers (40% to 59%) showed a 14% increase in likelihood. Those with 20% to 39% intake had a smaller, nonsignificant 7% increase.

The likelihood was especially high in certain groups. Adults aged 50 to 59 had a 26% higher risk of elevated inflammatory markers compared to those aged 18 to 29.

Obesity contributed to an 80% higher risk compared to people with a healthy weight. Current smokers also had a higher risk (17%) than people who never smoked.

Interestingly, individuals who reported no physical activity did not have a statistically significant increase in risk compared to those who met activity guidelines.

"These findings, based on a large and nationally representative sample of U.S. adults, clearly show that people who consume the highest amounts of ultra-processed foods have significantly higher levels of high-sensitivity C-reactive protein, a key marker of inflammation," said Allison H. Ferris, M.D., FACP, senior author, professor and chair of the FAU Department of Medicine.

"These results carry important implications not only for clinical practice and public health strategies but also for future research aimed at understanding and reducing the health risks associated with ultra-processed food consumption," added Allison.

Researchers analyzed data from 9,254 U.S. adults in the National Health and Nutrition Examination Survey, including diet, hs-CRP and other health factors.

UPF intake was measured as a percentage of total calories and grouped into four levels. They used statistical methods, including logistic regression, to examine the link between UPF consumption and inflammation.

"C-reactive protein is produced by the liver, and the hs-CRP protein test is a simple, affordable and highly sensitive measure of inflammation as well as a reliable predictor of future cardiovascular disease," said Charles H. Hennekens, M.D., FACPM, FACC, co-author, the First Sir Richard Doll Professor of Medicine and Preventive Medicine, and senior academic advisor, Schmidt College of Medicine.

"We believe that health care professionals may wish to consider actively engaging with their patients about the risks of UPFs and benefits of increasing whole food consumption," added Charles.

The authors also highlight a significant rise in colorectal cancer rates in the U.S., particularly among younger adults.

स्कूल चलो अभियान का शंखनाद: बरेली में प्रवेश उत्सव, बच्चों को किताबें-मेडल, जागरूकता रैली को हरी झंडी

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। प्रदेश में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे स्कूल चलो अभियान की गूंज अब जनपद बरेली में भी जोरदार तरीके से सुनाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी से अभियान के शुभारंभ के बाद बरेली के अर्बन हाट ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में शिक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। सीएम के संबोधन का लाइव प्रसारण, शिक्षा का संदेश घर-घर तक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वाराणसी से दिए गए संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और छात्रों ने इसे ध्यानपूर्वक सुना और शिक्षा के महत्व को समझने का संदेश लिया। अभियान का उद्देश्य हर बच्चे को स्कूल से जोड़ना और शिक्षा को जनांदोलन बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को शिक्षामय और सांस्कृतिक रंग में रंग दिया। स्कूली छात्राओं की प्रस्तुति ने अतिथियों का मन मोह लिया और कार्यक्रम में ऊर्जा का संचार किया।

बच्चों को किताबें और मेडल, प्रतिभाओं को मिला मंच

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया। साथ ही प्रांतीय स्तर की ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। हरूनगला विद्यालय के छात्र हर्षित को उनके अभिनव साइंस प्रोजेक्ट के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिली। स्कूल चलो अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एलईडी वैन और जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पढ़ेंगे-पढ़ाएंगे, उन्नत देश बनाएंगे के संदेश के साथ यह रैली शहर में लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करेगी।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल सिंह, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, महापौर डॉ. उमेश गौतम और विधायक एम.पी. आर्य सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशासनिक स्तर पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, एडीएम सौरभ दुबे, अपर निदेशक बेसिक शिक्षा, डीआईओएस अजीत सिंह और बीएसए डॉ. विनीता की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। स्कूल चलो अभियान के माध्यम से न सिर्फ नामांकन बढ़ाने, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और समाज में जागरूकता लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

हाथरस में भीषण प्राकृतिक आपदा: आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलें चौपट

-किसानों को भारी आर्थिक नुकसान, गेहूं, सरसों, आलू और चना प्रभावित

अनिल चौधरी/ बुलंद मंजिल

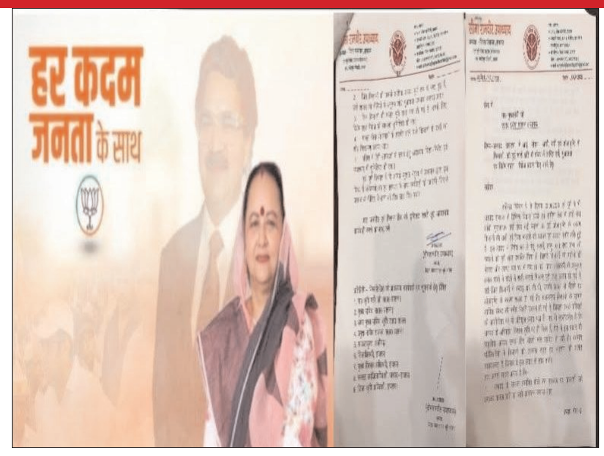

हाथरस। जिले में बीते दिनों आई तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। कई गांवों में गेहूं, सरसों, आलू और चना जैसी प्रमुख फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सीमा रामवीर उपाध्याय ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर तत्काल सर्वे, मुआवजा और विशेष राहत पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने पत्र में बताया कि 3 अप्रैल को आई इस आपदा से जनपद के विभिन्न विकास खंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी फसलें गिरकर नष्ट हो गईं, वहीं जिन किसानों ने कटाई कर ली थी, उनकी फसल भी भीगकर खराब हो गई।

उन्होंने कहा कि किसानों की महीनों की मेहनत और लागत एक ही दिन में खत्म हो गई, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अधिकांश किसान खेती पर निर्भर हैं, ऐसे में यह आपदा उनके लिए दोहरी मार साबित हो रही है।

सीमा उपाध्याय ने सरकार से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर सही नुकसान का आकलन किया जाए और जिन किसानों की फसल नष्ट हुई है, उन्हें शीघ्र मुआवजा दिया जाए। साथ ही पूरी तरह बर्बाद फसल वाले किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज लागू किया जाए तथा फसल बीमा के दावों का जल्द निस्तारण किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, जिससे किसानों को इस प्रकार के नुकसान से राहत मिल सके। प्रशासन से अपेक्षा जताई गई है कि वह इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई करेगा, ताकि प्रभावित किसानों को जल्द राहत मिल सके।

इस संबंध में पत्र की प्रतिलिपि कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव कृषि, प्रमुख सचिव राजस्व, मंडलायुक्त अलीगढ़, जिलाधिकारी हाथरस सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।

पोल से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो दोस्तों की मौके पर ही मौत, घरों में पसरा मातम

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। भमोरा थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पोल से जा टकराई, जिससे बाइक सवार दो दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, बिशारतगंज निवासी 20 वर्षीय अमित अपने दोस्त बदायूं के बिनावर निवासी 25 वर्षीय रोहित शर्मा के साथ शुक्रवार को बरेली आया था। रात करीब 10 बजे दोनों बाइक से वापस बिशारतगंज लौट रहे थे। जैसे ही वे रम्पुरा गांव के पास रेलवे अंडरपास से गुजर रहे थे, तभी उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे पोल से जा भिड़ी।

टक्कर इतनी जोरदार, मौके पर ही हालत गंभीर

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। अंडरपास के पास सड़क भी टूटी हुई बताई जा रही है, जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही भमोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। यह खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गांव में शोक का माहौल है।

हेलमेट नहीं पहनना पड़ा भारी

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक हेलमेट नहीं पहने थे। अगर उन्होंने हेलमेट लगाया होता तो शायद जान बच सकती थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। शुरूआती तौर पर तेज रफ्तार और खराब सड़क को हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गांव सिखरा में शराब ठेके के खिलाफ उबाल, ग्रामीणों ने डीएम कार्यालय घेरा

-22 साल पुराने ठेके को हटाने की मांग तेज, अम्बेडकर पार्क और मंदिर के पास निर्माण पर विरोध

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

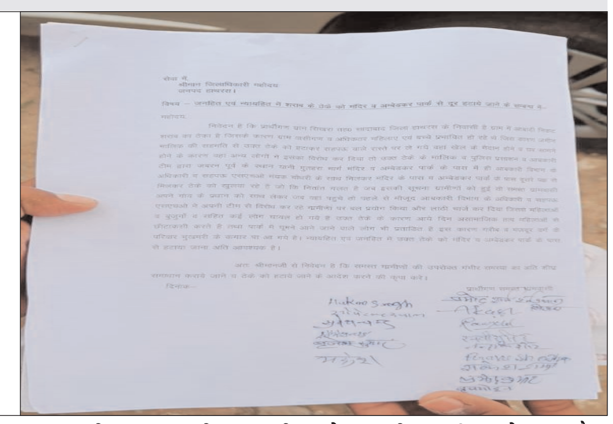

हाथरस। सहपऊ क्षेत्र के गांव सिखरा में देसी शराब के ठेके को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा अब सड़कों पर उतर आया है। शुक्रवार को गांव के सैकड़ों महिला-पुरुष एकजुट होकर जिला अधिकारी (डीएम) कार्यालय पहुंचे और ठेके के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने डीएम को शिकायती पत्र सौंपते हुए ठेके को तत्काल हटाने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पिछले करीब 22 वर्षों से देसी शराब का ठेका संचालित हो रहा है, जिससे गांव का सामाजिक माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है। पहले यह ठेका किराए के स्थान पर संचालित होता था, लेकिन अब ठेका संचालक द्वारा निजी भूमि खरीदकर स्थायी दुकान का निर्माण कराया जा रहा है। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित ठेके के पास ही एक धार्मिक मंदिर स्थित है, वहीं संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के साथ एक पार्क भी बना हुआ है। ऐसे संवेदनशील स्थान के पास शराब की दुकान का निर्माण करना सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से अनुचित है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि इस शराब के ठेके के कारण गांव के अधिकांश परिवार प्रभावित हो रहे हैं। युवाओं में शराब की लत बढ़ती जा रही है, जिससे घर-घर में विवाद की स्थिति बन रही है। महिलाओं को विशेष रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेहनत-मजदूरी कर घर चलाने वाले लोग अपनी कमाई शराब में खर्च कर देते हैं, जिससे बच्चों का पालन-पोषण भी प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। वहीं प्रशासन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लखनऊ में पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम जी की जयंती की पूर्व संध्या पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया

बुलंद मंजिल

आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा लखनऊ में पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम जी की जयंती की पूर्व संध्या पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में बरेली से महानगर अध्यक्ष दिनेश दददा के नेतृत्व में डॉ. मेहंदी हसन, उल्फत कठेरिया, तीर्थ मधुकर, विनोद कुमार सहित कई कार्यकर्ता शामिल होने पहुँचे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मीरा कुमार (पूर्व लोकसभा अध्यक्ष) उपस्थित रहीं। मुख्य वक्ता प्रो. रतन लाल रहे। इसके अलावा राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नारवाल, पी.एल. पूनिया, सांसद तनुज पूनिया एवं अन्य प्रदेश पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि जगजीवन राम जी का राजनीतिक जीवन और उनके विरोधियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। डॉ. मेहंदी हसन ने अपने संबोधन में कहा कि जगजीवन राम जी जैसे स्वतंत्रता सेनानी नेताओं ने जवाहरलाल नेहरू जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हीं आदर्शों पर चलकर देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं, और यह गर्व की बात है कि कांग्रेस पार्टी में जगजीवन राम जैसे महान नेता हुए हैं।

AURA 2K26 (ऑरा) का भव्य शुभारंभ: रोबो कार से हुआ अनावरण, टेक एक्सपो व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं ने मोहा मन

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में तीन दिवसीय तकनीकी एवं सांस्कृतिक फेस्ट अवफ्ञ 2ङ26 झ ळ्ीं उर्श्ी३५ी ढ४’री का आज 4 अप्रैल को भव्य उद्घाटन हुआ। टेक, आर्ट, रिदम और एक्सप्रेशन की थीम पर आधारित यह आयोजन 6 अप्रैल तक चलेगा। प्रथम दिवस पर पूरे विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह, उमंग और नवाचार का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक कटारिया (पूर्व राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार, परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश एवं माननीय सदस्य, उत्तर प्रदेश विधान परिषद) रहे। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह इस आयोजन के संरक्षक थे।

रोबो कार से हुआ अनावरण

उद्घाटन अत्यंत नवाचारी शैली में किया गया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन के साथ-साथ रोबो कार के माध्यम से स्विच ऑन कर अवफ्ञ का अनावरण किया झ जो विद्यार्थियों की तकनीकी सृजनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। तत्पश्चात टेक एक्सपो का उद्घाटन गुब्बारे उड़ाकर किया गया तथा साइक्लिंग रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अशोक कटारिया का संबोधन

श्री कटारिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लअवफ्ञ (ऑरा) जैसे उत्सव छात्र जीवन के अभिन्न अंग हैं, जो व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को नई दिशा देते हैं।ह्व उन्होंने संदेश दिया कि ह्लखूब आनंद लें, सीखें और आगे बढ़ें, लेकिन सदैव मयार्दा और अनुशासन का पालन करें। अपना पैमाना स्वयं निर्धारित करें। समय के साथ बड़ा सोचें, देश अपने आप आगे बढ़ेगा।ह्व उन्होंने कहा कि ह्लजो नित्य नूतन, नवल होगा, उसी का जीवन सफल होगा।ह्व मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय को ठअअउ अ++ ग्रेड प्राप्त होने पर बधाई दी तथा कुलपति के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह का उद्बोधन

संरक्षक एवं कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि ह्लयह पूर्णतः छात्रों द्वारा आयोजित टेक फेस्ट है, जिससे उन्हें एक्सपोजर मिलता है। शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को नई पहचान मिली है। छात्रों के अच्छे प्लेसमेंट हो रहे हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा से कई कोर्स की अनुमति दी है। सभी के प्रयासों से ठअअउ अ++ ग्रेड प्राप्त हुआ है तथा स्टार्टअप के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।ह्व उन्होंने कहा कि इस फेस्ट में विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को समझने का मौका मिलेगा।

अन्य गणमान्यों के विचार

- ङ्ग प्रो. अर्चना गुप्ता (डीन, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) ने स्वागत भाषण में कहा कि यह मंच तकनीकी, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतिभाओं के प्रदर्शन हेतु है।
- ङ्ग प्रो. एस.एस. बेदी (अंतरराष्ट्रीय संबंध निदेशक) : ऐसे आयोजन वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करते हैं।
- ङ्ग प्रो. रवेंद्र सिंह (मुख्य प्रॉक्टर) : उत्सव का आनंद लें, किंतु अनुशासन एवं मयार्दा बनाए रखें।
- ङ्ग प्रो. एस.के. पांडेय (डीन एकेडमिक) : यह रचनात्मकता उजागर करने का सुनहरा अवसर है।
- ङ्ग श्री संजीव सिंह (परीक्षा नियंत्रक) : संतुलित विकास की भावना विकसित होती है।
- ङ्ग कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन साक्षी मिश्रा ने किया।
- ङ्ग डॉ अजय यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया

सुर संगम सांस्कृतिक कार्यक्रम

फेस्ट के अंतर्गत सुर संगम का आयोजन किया गया, जिसका समन्वयन शशि लता एवं हिमांशु गौर ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. छवि शर्मा, डॉ. आशुतोष प्रिये एवं डॉ. आभा त्रिवेदी रहे। कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 7 स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

कोडिंग प्रतियोगिता अॅ’ड्ढी१ं३ङ्घल्ल

फैकल्टी कोऑर्डिनेटर एर. निशा सिंह के मार्गदर्शन में कोडिंग प्रतियोगिता अॅ’ड्ढी१ं३ङ्घल्ल हुई।

प्रथम स्थानः हर्षित गंगवार एवं अवनीश सिंह

द्वितीय स्थानः साहित्य चंद्र एवं दिव्यांशु चंद्र

टीम कोऑर्डिनेटर उत्तम मित्तल तथा वॉलंटियर्स यशिका तोमर, अनुज पासवान रहे। मूल्यांकन डॉ. अख्तर हुसैन एवं डॉ. अश्वनी गुप्ता ने किया।

फेस पेंटिंग प्रतियोगिता

समन्वयक अफरीन निशात ने फेस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। निर्णायक डॉ. छवि शर्मा एवं डॉ. पूजा यादव रहे। विद्यार्थियों ने रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

टेक एक्सपो में ऋ‌ङ्क ऋ्रँ४१ ठी७४२ अव्वल

टेक एक्सपो में ऋ‌ङ्क ऋ्रँ४१ ठी७४२ प्रोजेक्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम में पियूष, हरी तिवारी एवं वैभव सिंह शामिल थे। समन्वयन डॉ. अनिल कुमार सिंह ने किया।

अवफ्ञ 2ङ26 का आयोजन है6 अप्रैल तक जारी रहेगा, जिसमें विभिन्न तकनीकी, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

खानम आर्ट गैलरी में वरिष्ठ पत्रकार दुर्गा प्रसाद मिश्र, अजय मिश्रा, मुनिश्वर जायसवाल हुए सम्मानित

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज के कलात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निरन्तर अपने दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रसारित करने तथा भारतीय कला संस्कृति उत्थान के लिए वरिष्ठ पत्रकार दुर्गा प्रसाद मिश्र उजाला शिखर हिंदी दैनिक, युवा पत्रकार अजय मिश्रा दैनिक तीर्थराज टाईम्स, मुनिश्वर जायसवाल दैनिक प्रथम मंच गाजियाबाद को बैच, अंगवस्त्र-शाल, मेडल से खानम आर्ट गैलरी की मशहूर निदेशक डॉ जाहेदा खानम तथा राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति मंत्रालय के सदस्य विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने आज पत्रकार बंधुओ को सम्मानित किया।

खानम आर्ट गैलरी के मीडिया बैठक एवं कला परिचर्चा के दौरान गैलरी की निदेशक डॉ जाहेदा खानम ने कहा कि दैनिक समाचार पत्र एवं मीडिया के कारण ही भारतीय कला संस्कृति का वास्तविक प्रसार प्रचार होता है जिसके कारण ही भारतीय कला संस्कृति उन्नति पर है, जिसमें भारत के सम्मानित पत्रकार व मीडिया कर्मियों का अमूल्य योगदान एवं समर्पण दिखाई पड़ता है। वहीं कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कहा कि खानम गैलरी तो नवोदित कलाकारों के अंदर कला संचार तो कर ही रही है वहीं वरिष्ठ कलाकारों की प्रदर्शनी आयोजित कर सभी को एक कलात्मक मंच प्रदान किया है इसके लिए गैलरी भी धन्यवाद की पात्र है तथा कलात्मक कार्यक्रमों को जनता के हृदय तक पहुंचाने के लिए मीडिया व पत्रकार बंधुओ का बहुमूल्य सहयोग गैलरी तथा कलाकारों को मिलता आ रहा है इसलिए पत्रकार बंधु सदैव सम्मानित किए जाने चाहिए।

बूंदाबांदी ने बढ़ाई किसानों की चिंता, कटाई-मड़ाई का कार्य बाधित

कोरांव, प्रयागराज। कोराँव क्षेत्र में शुक्रवार को हुई हल्की बूंदाबांदी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस समय रबी फसलों की कटाई और मड़ाई का कार्य जोरों पर चल रहा है, लेकिन अचानक मौसम बदलने से खेतों में काम रुक गया है। किसानों का कहना है कि बारिश के कारण कट चुकी फसल भीग गई है, जिससे अनाज की गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा है। वहीं जिन किसानों की फसल अभी खेतों में खड़ी है, उन्हें भी नुकसान की आशंका सता रही है। बूंदाबांदी के चलते खेतों में नमी बढ़ गई है, जिससे कटाई एवं मड़ाई का कार्य पूरी तरह से ठप्प हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसान खुले आसमान के नीचे फसल रखे हुए हैं, जो बारिश के कारण भीगकर खराब हो सकती है। किसानों ने प्रशासन से अपील की है कि मौसम की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए ताकि वे अपनी फसल को सुरक्षित कर सकें। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय हल्की बारिश भी किसानों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है, क्योंकि कटाई के बाद फसल को सूखा रखना बेहद जरूरी होता है। फिलहाल किसान मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि जल्द से जल्द कटाई और मड़ाई का कार्य पूरा किया जा सके।

नन्हे कंधों पर भारी बोझ! नियमों के बावजूद स्कूल बैग बना बच्चों की रीढ़ का दुश्मन

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । आज के आधुनिक शिक्षा सिस्टम में बच्चों के कंधों पर बढ़ता स्कूल बैग का वजन एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनता जा रहा है। छोटे-छोटे मासूम बच्चे रोजाना भारी-भरकम बैग उठाकर स्कूल जाने को मजबूर हैं, जिससे उनके शारीरिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यह मुद्दा अब अभिभावकों, शिक्षकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच बड़ी चिंता का विषय बन चुका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय संस्था ओंश्लूंल्ल ओौंि८ ड्ढा ढीह्३१ू२ के दिशा-निर्देश बताते हैं कि स्कूल बैग का वजन बच्चे के शरीर के वजन का 10 से 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए, जबकि 10 प्रतिशत तक रखना सबसे सुरक्षित माना गया है। इसके बावजूद अधिकांश बच्चों के बैग निर्धारित सीमा से अधिक भारी पाए जा रहे हैं। भारी बैग बच्चों में पीठ दर्द, कंधों में खिंचाव, गर्दन दर्द और गलत पोस्चर जैसी समस्याओं को जन्म दे रहा है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चा 30 किलोग्राम का है, तो उसके बैग का वजन 3 से 4.5 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए।

सरकारी नियम क्या कहते हैं?

सरकार द्वारा भी कक्षा के अनुसार स्कूल बैग के वजन को निर्धारित किया गया है, ताकि बच्चों पर अनावश्यक बोझ न पड़े। निर्धारित मानक इस प्रकार हैं–

कक्षा 1: 1.6 से 2.2 किलोग्राम
कक्षा 2: 1.6 से 2.2 किलोग्राम
कक्षा 3: 1.7 से 2.5 किलोग्राम
कक्षा 4: 1.7 से 2.5 किलोग्राम
कक्षा 5: 1.7 से 2.5 किलोग्राम
कक्षा 6: 2 से 3 किलोग्राम
कक्षा 7: 2 से 3 किलोग्राम
कक्षा 8: 2.5 से 4 किलोग्राम
कक्षा 9: 2.5 से 4.5 किलोग्राम
कक्षा 10: 2.5 से 4.5 किलोग्राम

इसके बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि कई स्कूल इन नियमों का पालन नहीं कर रहे, जिससे बच्चों को तय सीमा से अधिक वजन ढोना पड़ रहा है।

बैग का डिजाइन भी महत्वपूर्ण

डॉक्टरों के अनुसार बैग के स्ट्रैप्स कम से कम 5 से 8 सेंटीमीटर चौड़े और गद्देदार होने चाहिए, ताकि वजन कंधों पर समान रूप से वितरित हो सके। पतले और सख्त स्ट्रैप्स बच्चों के लिए नुकसानदायक होते हैं।

खतरे के संकेत जिन्हें न करें नजरअंदाज:

चलते समय बच्चे का आगे झुकना
कंधों पर लाल निशान या दर्द
बार-बार बैग को ठीक करना
जल्दी थकान महसूस होना

अभिभावकों की बढ़ती चिंता

अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों में अधिक किताबें और कॉपियां अनिवार्य होने के कारण बच्चों पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है। इससे बच्चों का बचपन दबाव में आ रहा है और उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

समाधान के सुझाव:

टाइमटेबल के अनुसार ही किताबें बैग में रखें
अनावश्यक सामग्री हटाएं
बच्चों को दोनों कंधों पर बैग पहनने की आदत डालें
स्कूलों में लॉकर सुविधा लागू की जाए
अल्टरनेट डे बुक सिस्टम अपनाया जाए

विशेष संदेश:

विशेषज्ञों ने कहा– 10 प्रतिशत नियम अपनाएं, बच्चों की रीढ़ को सुरक्षित बनाएं
चौड़ा स्ट्रैप, सुरक्षित कंधा

अंततः विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों की रीढ़ अभी विकासशील अवस्था में होती है, इसलिए उस पर अनावश्यक बोझ डालना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। अब जरूरत है कि स्कूल, अभिभावक और प्रशासन मिलकर इस समस्या का समाधान करें, ताकि बच्चों को स्वस्थ और सुरक्षित बचपन मिल सके।

मिशन शक्ति की गूंज गांव तक! गोयली के प्राथमिक विद्यालय में महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा का पाठ

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आज दिनांक 04.04.2026 को थाना चांदपुर की टीम द्वारा ग्राम गोयली स्थित प्राथमिक विद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं, बालकों एवं बालिकाओं को एकत्र कर उन्हें सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन महिला उप निरीक्षक कुमारी जया, महिला आरक्षी प्रीति तोमर, महिला आरक्षी प्रिया एवं आरक्षी आदेश कुमार द्वारा किया गया। टीम ने उपस्थित लोगों को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई–

महिला हेल्पलाइन: 181
वूमेन पावर लाइन: 1090
आपातकालीन सेवा: 112
स्वास्थ्य सेवा: 102
एंबुलेंस सेवा: 108
चाइल्ड हेल्पलाइन: 1098
साइबर हेल्पलाइन: 1930

महिला सुरक्षा और अधिकारों पर विशेष जोर

टीम ने महिलाओं को घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही लड़कियों को छेड़छाड़, मारपीट और अन्य अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए गए।

साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

कार्यक्रम में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। लड़कियों को बताया गया कि यदि कोई उन्हें मोबाइल या सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान करता है या अश्लील संदेश भेजता है, तो वे तुरंत इसकी शिकायत संबंधित हेल्पलाइन नंबर पर करें।

स्वास्थ्य और सतर्कता पर भी जागरूकता

इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और बच्चे जागरूक हो सकें।

ग्रामीणों ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुलिस टीम से जुड़े सवाल पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान भी किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिससे वे अपने अधिकारों को समझकर सुरक्षित जीवन जी सकें।

डीएम का सख्त एक्शन: अब हर साल नहीं बदलेंगी यूनिफॉर्म-किताबें, मनमानी फीस पर लगेगा ब्रेक

दैनिक बुलंद मंजिल/ नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। निजी स्कूलों की मनमानी पर अब प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। शुल्क नियामक समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश जारी करते हुए साफ कहा है कि अब हर साल यूनिफॉर्म और किताबें बदलने की प्रथा पर रोक लगेगी और अभिभावकों को एक ही दुकान से खरीदारी करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा।

अभिभावकों को बड़ी राहत

अब अभिभावक स्कूल द्वारा तय किसी एक दुकान से ही यूनिफॉर्म या किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं होंगे। वे अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी खरीदारी कर सकेंगे। इससे अभिभावकों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा।

फीस वृद्धि पर भी सख्त नियम

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्कूल फीस में बढ़ोतरी केवल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (उढक) के आधार पर ही की जा सकेगी और इसके लिए शुल्क नियामक समिति की मंजूरी अनिवार्य होगी। मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नियम तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द की जा सकती है और संबंधित प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज की जाएगी।

वेबसाइट पर जानकारी अनिवार्य

सभी स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर फीस स्ट्रक्चर, ड्राइवरों की जानकारी और अन्य जरूरी विवरण सार्वजनिक करना होगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और अभिभावकों को पूरी जानकारी मिल सके।

परिवहन व्यवस्था पर सख्ती

स्कूल वाहनों की फिटनेस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। बिना फिटनेस वाले वाहनों से बच्चों को लाने-ले जाने की स्थिति में स्कूल प्रशासन जिम्मेदार होगा।

साथ ही, यदि 18 वर्ष से कम उम्र के छात्र वाहन चलाते पाए जाते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी भी स्कूल के प्रधानाचार्य पर तय की जाएगी।

आरटीई नियमों का पालन जरूरी

डीएम ने स्पष्ट कहा कि आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश न देने वाले स्कूलों पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज करने तक की चेतावनी दी गई है।

डीएम का सख्त संदेश

जिलाधिकारी ने दो टूक कहा– शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अभिभावकों की शिकायतों पर कार्रवाई

प्रशासन ने यह कदम अभिभावकों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद उठाया है। अब साफ कर दिया गया है कि निजी स्कूलों की मनमानी नहीं चलेगी और नियमों का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा।

डीएम के इस सख्त रुख से अभिभावकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अब शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगेगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं का अंबार लगा रहा

कुल 45 फरियादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन प्रशासन की ओर से एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका,

दैनिक बुलंद मंजिल / हरीश कुमार

ठाकुरद्वारा। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं का अंबार लगा रहा। कुल 45 फरियादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन प्रशासन की ओर से एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका, जिससे फरियादियों में निराशा देखने को मिली। उप जिलाधिकारी प्रीति सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने राजस्व, बिजली, बैंकिंग और अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं रखीं। इसी दौरान तिलकपुर गुमानी निवासी हरस्वरूप सिंह पुत्र शोभा सिंह ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होंने ठाकुरद्वारा स्थित केनरा बैंक से 17 मार्च 2021 को ?1,07,000 का लोन लिया था, जिसे उन्होंने 19 अप्रैल 2022 को ब्याज सहित ?1,17,000 जमा कर चुका दिया। इसके बावजूद बैंक द्वारा उनका केसीसी खाता बंद नहीं किया गया और न ही ऋण मुक्ति प्रमाण पत्र दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब एक वर्ष बाद जब उनके खाते में ?2000 किसान सम्मान निधि आई, तो बैंक कर्मचारियों ने वह राशि उनके खाते में नहीं चढ़ाई। इसको लेकर विवाद होने पर बैंक की ओर से केसीसी खाता बंद करने के नाम पर ?200 और जमा कराए गए, लेकिन इसके बाद भी कोई प्रमाण पत्र नहीं दिया गया। पीड़ित किसान ने मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग की है। समाधान दिवस में तहसीलदार आदित्य कुमार, खंड विकास अधिकारी उमाशंकर मुद्गल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चांदपुर के एम.एस.जूनियर हाई स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत, इनाया इल्जा बनीं टॉपर

दैनिक बुलंद मंजिल / यासिर शम्सी।

बिजनौर/चांदपुर। स्थित एम.एस.जूनियर हाई स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है।इस वर्ष भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय में खुशी का माहौल है। कक्षा 5 की छात्रा इनाया इल्जा ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया।उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया।उनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।इस अवसर पर विद्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें बसपा के जिला उपाध्यक्ष अकील अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उन्होंने मेधावी छात्र छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाएं,क्योंकि यही उनके उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षावार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों में कक्षा 1 से मो. हस्सान,कक्षा 2 से हुमैरा परवीन, कक्षा 3 से समद,कक्षा 4 से आतिका,कक्षा 5 से इनाया इल्जा (स्कूल टॉपर),कक्षा 6 से मो. वसी, कक्षा 7 से फरहान तथा कक्षा 8 से मो.बिलाल शामिल हैं।विद्यालय के प्रबंधक दिलशाद अहमद ने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों की कड़ी मेहनत और छात्रों के अनुशासन को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं,बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है,और यह परिणाम उसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हाईवे की जमीन पर कब्जा करने वालों पर चला बुलडोजर, प्रशासन की सख्त कार्रवाई से मचा हड़कंप

कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने अपने निर्माण बचाने के लिए विरोध किया और अधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई

दैनिक बुलंद मंजिल/ हरीश कुमार

ठाकुरद्वारा। निमार्णाधीन नेशनल हाईवे क्षेत्र में प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। थाना क्षेत्र के गांव फौलादपुर में हाईवे और ग्राम समाज की जमीन पर वर्षों से जमे अतिक्रमण को शनिवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने अपने निर्माण बचाने के लिए विरोध किया और अधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई, लेकिन प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया कि सरकारी जमीन पर कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विरोध के बावजूद जेसीबी मशीनों ने एक-एक कर अवैध मकान और दुकानों को जमींदोज कर दिया।

मुरादाबाद हाईवे किनारे ग्राम समाज और एनएच की भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए गए थे। शिकायत मिलने पर प्रशासन ने जांच कराई और करीब छह महीने पहले पैमाइश कर भूमि को चिन्हित करते हुए कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए थे। उन्हें निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी भी दी गई थी। इसके बावजूद कब्जा न हटाए जाने पर शनिवार को प्रशासन, एनएचआई विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और बिना किसी ढिलाई के कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चला दिया। पूरी कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति को होने से रोका जा सका। ग्राम प्रधान रहीस अहमद ने बताया कि उक्त भूमि ग्राम समाज की है, जिसका पहले कूड़ा निस्तारण के लिए उपयोग होता था, लेकिन समय के साथ उस पर अवैध कब्जे हो गए। हाईवे निर्माण में बाधा बनने के कारण इसे खाली कराना आवश्यक हो गया था। एनएचआई के इंजीनियर कृष्ण कुमार ने कहा कि हाईवे की जमीन पर कब्जा करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान कई अवैध निर्माण हटाए गए हैं, जबकि अन्य कब्जाधारियों को एक सप्ताह का अंतिम समय दिया गया है। यदि उन्होंने स्वयं कब्जा नहीं हटाया तो उनके खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

दलित बुजुर्ग ने दबंगों पर लगाया जमीन कब्जाने व मारपीट का आरोप,कोर्ट में गुहार रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम बांसोवाला निवासी 75 वर्षीय नत्थू सिंह ने गांव के ही सात लोगों पर जमीन कब्जाने,मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाया है।मामले में कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने एडीजे स्पेशल जज एससी/एसटी एक्ट न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है।प्रार्थी का आरोप है कि आरोपी उसकी काश्त की जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं।विरोध करने पर 28 जनवरी को लाठी डंडों से मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।पीड़ित का कहना है कि थाना और पुलिस अधीक्षक को शिकायत देने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई।अब पीड़ित ने न्यायालय से मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नगीना टाउन में 7 घंटे बिजली रहेगी बाधित,उपभोक्ता पहले निपटा लें जरूरी काम

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी

नगीना। (33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र नगीना टाउन में ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए खराब बसकपलर (वीसीबी) बदलने का कार्य किया जाएगा।इसके चलते 06 अप्रैल (सोमवार) को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी।विभाग की ओर से सभी विद्युत उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना देते हुए अपील की गई है कि निर्धारित समय से पहले अपने आवश्यक कार्य निपटा लें।साथ ही बिजली आपूर्ति बाधित रहने के दौरान धैर्य बनाए रखते हुए विभाग का सहयोग करें।बिजली विभाग के अनुसार यह कार्य आगामी गर्मी के मौसम में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कराया जा रहा है।